● वर्ष-3
● अंक-141
रायपुर, शनिवार
20 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› चेहरे पर झुर्रियों के लिए ....

लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं

नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं।

प्रधान ने कहा कि ऐसे राज्य जो इच्छुक नहीं प्रतीत हो रहे थे वे भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू कर रहे हैं हालांकि वे भिन्न शब्दावलियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एनईपी 2020 की वर्तमान स्थिति और इस नीति को लागू करने वाले राज्यों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे खुशी है। भिन्न शब्दावली का इस्तेमाल करके उन्हें संतुष्ट हो लेने दीजिए। लेकिन पूरी जिम्मेदारी के साथ मैं यह कह सकता हूं कि लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं, जो बेहद दार्शनिक और ऐतिहासिक दस्तावेज़ है।'' प्रधान ने आईआईटी हैदराबाद में एक कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा,'' आईआईटी हैदराबाद में 'इनवेनटिव 2024' का उद्घाटन करके प्रसन्नता महसूस कर रहा हूं।

खुशी है कि दूसरे संस्करण में हमने इस नवोन्मेष प्रदर्शन का दायरा बढ़ा दिया है और इसे

आईआईटी से आगे ले गए हैं।'' भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अन्य प्रमुख संस्थानों के अनुसंधान एवं विकास के पैमाने और गुणवत्ता को अपेक्षाकृत छोटे शहरों और संस्थानों तक विस्तारित करने की सरकार की योजना के बारे में पूछे जाने पर, प्रधान ने कहा, ''यह एक गलत धारणा है कि केवल आईआईटी ही गुणवत्तापूर्ण संस्थान हैं।''

उन्होंने कहा, ''आईआईटी के छात्र वैश्विक स्तर पर अद्भुत प्रदर्शन कर रहे हैं, मैं देश में अच्छा प्रदर्शन करने वाले गैर-आईआईटी छात्रों के सैकड़ों उदाहरण दे सकता हूं।'' इससे पहले कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि प्राचीन भारत नवाचारों की भूमि थी, और आज का आधुनिक भारत 'विश्व मित्र' के रूप में कार्य करते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहा है। देश के 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि परिवर्तन के प्रमुख कारकों के रूप में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्रीराम के आदर्शों पर हो देश में राजः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार पहले ही दिन से प्रयास कर रही है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन और ईमानदारी का राज हो। उन्होंने लोगों से 22 जनवरी को 'राम ज्योति' जलाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह उनके जीवन से गरीबी हटाने की प्रेरणा होगी। उन्होंने कहा, ''मोदी की गारंटी का मतलब है 'गारंटी पूरी होने की गारंटी'। भगवान राम ने हमें किए गए वादों का सम्मान करना सिखाया और हम गरीबों के कल्याण और उनके सशक्तीकरण के लिए निर्धारित सभी लक्ष्यों को पूरा कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के सोलापुर में राज्य में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की आठ अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत पूरे किए गए 90,000 से अधिक घरों को भी लाभार्थियों को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 घरों को समर्पित किया, जिनके लाभार्थियों में हजारों हथकरघा श्रमिक, विक्रेता, बिजली करघा श्रमिक, कूड़ा बीनने वाले, बीड़ी श्रमिक और चालक शामिल हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में पीएम-स्वनिधि के 10,000 लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त के वितरण की भी शुरुआत की। इस दौरान प्रधानमंत्री कुछ पल के लिए भावुक भी हो गए। उन्होंने रूंधे गले से कहा कि काश ! उन्हें युवा अवस्था में ऐसे घरों में रहने का अवसर मिला होता। उन्होंने कहा, ''खुशी तब मिलती है जब लोगों के सपने सच होते हैं। उनका आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।''

जिन लोगों को मकान मिले हैं, उनसे 22 जनवरी को राम ज्योति जलाने की अपील करते हुए मोदी ने कहा कि यह उनके जीवन से गरीबी मिटाने की प्रेरणा होगी। उन्होंने कहा, ''भगवान राम ने वह काम किया जिससे उनके लोगों को खुशी मिली। मेरी सरकार गरीबों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए समर्पित है। हमने उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए योजनाएं शुरू कीं।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है। मोदी ने कहा कि घरों और शौचालयों का निर्माण 10 वर्षों में हुआ है क्योंकि इन सुविधाओं की कमी गरीबों, विशेषकर महिलाओं के लिए अपमानजनक थी। उन्होंने कहा, ''हमने महिलाओं के लिए मोदी की 'इज्जत की गारंटी' वाले 10 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया है और अब तक चार करोड़ से ज्यादा पक्के घर उपलब्ध कराए।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों का कल्याण और श्रमिकों की गरिमा पर उनकी सरकार का ध्यान रहा है। उन्होंने लोगों से बड़े सपने देखने की अपील करते हुए कहा कि भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाना विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''आपका सपना मेरा संकल्प है और यह मोदी की गारंटी है।'' मोदी ने कहा कि 'गरीबी हटाओ' पहले सिर्फ एक नारा था क्योंकि योजनाएं लाभार्थियों तक नहीं पहुंचती थीं। 'आधी, रोटी खायेंगे' के नारे को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी गारंटी के तहत आप पूरी रोटी खाएंगे। मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की नीयत, नीति और निष्ठा स्पष्ट नहीं थी लेकिन उनकी सरकार की नीयत स्पष्ट है, जबकि नीति लोगों को सशक्त करने के लिए है और निष्ठा राष्ट्र के प्रति है।

हिंदू पौराणिक कथाओं से संबंधित डाक टिकटों का संग्रह

डाक टिकटों के संग्रह का शौक रखने वाला बेंगलुरू का एक व्यक्ति पिछले 20 साल से राम और कृष्ण समेत हिंदू पौराणिक कथाओं और दशावतार से संबंधित डाक टिकटों, ट्रेड कार्ड और माचिस की डिब्बियों को एकत्र कर रहा है और उसने अब तक सिर्फ दशावतार से संबंधित संग्रह पर ही पांच लाख रुपये खर्च कर डाले हैं। पिछले 50 वर्षों से डाक टिकटों का संग्रह कर रहे बेंगलुरु में बसे सुशील मेहरा ने कहा कि बीता दिन डाक टिकट संग्रहकर्ताओं के लिए एक शानदार दिन था। इस दिन राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को चिन्हित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई विशेष डाक टिकट जारी करने के साथ-साथ दुनिया भर के राम से संबंधित डाक टिकटों से सजी एक किताब का विमोचन भी किया। मेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार को जिस पुस्तक का विमोचन किया, वह अच्छी शोध सामग्री होगी। उन्होंने कहा, 20 वर्षों से, मैं हिंदू पौराणिक कथाओं और दशावतार, विशेष रूप से राम और कृष्ण से संबंधित डाक टिकट के साथ-साथ ट्रेड कार्ड और माचिस की डिब्बियां एकत्र कर रहा हूं। मेहरा पेशे से व्यवसायी हैं, जिनकी कंपनी स्कूल और कार्यालयों के लिए फर्नीचर बेचती है। मेहरा ने कहा कि शुरुआत में उनका ध्यान कृष्ण पर अधिक था, क्योंकि वह कृष्ण के बहुत बड़े भक्त हैं।

सामने आई रामलला के अचल विग्रह की पूर्ण तस्वीर

गर्भगृह से रामलला की नई तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में उनके पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। तस्वीर में उनके चेहरे पर भक्तों का मन मोह लेने वाली मुस्कान देखी जा सकती है। रामलला की यह मूर्ति कर्नाटक के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की बनाई हुई है। इस मूर्ति में बाल सुलभ कोमलता झलक रही है। इसमें रामलला की भुजाएं घुटनों तक हैं। रामलला की मूर्ति श्याम शिला से बनी है। इसकी आयु हजारों साल होती है, यह जलरोधी है। पैर की अंगुली से ललाट तक मूर्ति की ऊंचाई 51 इंच है। मूर्ति का वजन 150 से 200 किलो है, मूर्ति के ऊपर मुकुट व आभामंडल बना हुआ है। सामने आई तस्वीर में रामलला की आंखें बड़ी और ललाट भव्य है। बता दें कि ये तस्वीर रामलला के गर्भगृह में जाने से पहले की है। तब रामलला की प्रतिमा की आंखों पर पट्टी नहीं बांधी गई थी।

प्रतिमा के पार्श्व भाग में उकेरी गई है कुछ और प्रतिमाएं

- रामलला की मूर्ति के पार्श्व भाग में शिला पर आकृतियां उकेरी गई हैं। महामंडलेश्वर संत श्री सतुआजी महाराज बताते हैं कि प्रतिमा के पार्श्व भाग को प्रभा कहते हैं।
- सामने से मूर्ति को देखें तो बाईं तरफ ओम की आकृति उकेरी नजर आती है।
- वहीं, दाईं तरफ स्वास्तिक, शंख और चक्र बने नजर आते हैं।
- शिला का पार्श्व भाग दोनों तरफ से जहां से शुरू होता है, वहां कुछ और प्रतिमाएं उकेरी हुई दिखती हैं।
- माना जा रहा है कि शिला के पार्श्व भाग में नीचे की ओर एक तरफ हनुमान जी और दूसरी तरफ गरूड़ भगवान की प्रतिमा बनाई गई है।

इससे पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के चौथे दिन शुक्रवार को सुबह नौ बजे अरणी मंथन से अग्नि प्रकट की गई। अग्नि प्रकट के साथ चौथे दिन का अनुष्ठान शुरू हो गया है। शुक्रवार से यज्ञ मंडप में हवन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। वेद मित्रों से आहुतियां डाली जाएगी। इसके पहले गणपति आदि स्थापित देवताओं का पूजन किया गया। पूजन के क्रम में ही द्वारपालों द्वारा सभी शाखाओं का वेदपारायण, देवप्रबोधन, औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास, कुण्डपूजन, पञ्चभूसंस्कार होगा।

प्रमुख समाचार

'इंडि' के साथ गोवा की सीट पर बात कर रही आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को संकेत दिया कि वह गोवा से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छुक है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनका दल विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के साथ तटीय राज्य में एक सीट को लेकर बातचीत कर रहा है। गोवा में लोकसभा की दो सीट हैं- उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा। केजरीवाल ने हालांकि यह नहीं बताया कि उनकी पार्टी दोनों में से किस सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। केजरीवाल ने दक्षिण गोवा के बेनोलिम विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आम आदमी पार्टी 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के हिस्से के रूप में गोवा सीट पर चर्चा कर रही है। एक बार कुछ तय हो जाने पर हम आपके पास वापस आएंगे। बातचीत जो भी हो, लेकिन लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार को वोट जरूर दें। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक, आप की गोवा इकाई के प्रमुख अमित पालेकर, विधायक वेंजी वेगास भी मौजूद थे।

अयोध्या पर फैसला देने वाले 5 जज को किया गया आमंत्रित

नई दिल्ली। 2019 में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में फैसला देने वाले सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों को 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के अभिषेक समारोह में आमंत्रित किया गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाधीशों और प्रमुख वकीलों सहित 50 से अधिक न्यायविदों को भी निमंत्रण दिया गया है। तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई, पूर्व सीजेआई एसए बोबडे, वर्तमान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और पूर्व न्यायाधीश अशोक भूषण और एस अब्दुल नजीर की पांच सदस्यीय पीठ ने विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा भव्य राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाया था। पीठ ने पूरी विवादित भूमि रामलला को दे दी और सरकार को मुस्लिम पक्ष को मस्जिद बनाने के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का आदेश दिया। अयोध्या में, बाबरी मस्जिद भगवान राम के जन्मस्थान के ऊपर खड़ी थी, एक राय है कि भगवा खेमे ने 1980 के दशक के अंत में एक निरंतर अभियान शुरू किया.

डीएमके ने सीट-बंटवारे की बातचीत के लिए बनाए पैनल

हैदराबाद। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को इस साल के अंत में लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की तीन समितियों के गठन की घोषणा की। बयान के अनुसार, थूथुक्कुडी लोकसभा सदस्य के कनिमोझी पार्टी की घोषणापत्र समिति की प्रमुख होंगी। श्रीपेरंबुदूर के सांसद टीआर बालू सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत के लिए समिति का नेतृत्व करेंगे और तमिलनाडु के नगरपालिका प्रशासन मंत्री केएन नेहरू चुनाव कार्य के समन्वय की निगरानी के लिए गठित समिति की अध्यक्षता करेंगे। एमके स्टालिन ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि चलो काम पूरा करें! जीतना है। तमिलनाडु के खेल मंत्री और डीएमके की युवा शाखा के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन को केएन नेहरू के नेतृत्व वाली समिति में नियुक्त किया गया है। इस पैनल में नेहरू के अलावा वित्त मंत्री थंगम थेनारासु, नगरपालिका प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, डीएमके संगठन सचिव आरएस भारती और सार्वजनिक निर्माण मंत्री ईवी वेलु जैसे वरिष्ठ पार्टी नेता भी शामिल हैं।

प. बंगाल की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी टीएमसी

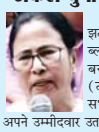

कोलकाता। कांग्रेस को झटका देते हुए, जो इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। इसमें बेरहामपुर लोकसभा सीट भी शामिल है, जहां से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी मौजूदा सांसद हैं। मुर्शिदाबाद जिला नेतृत्व के साथ तृणमूल के शीर्ष अधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मुर्शिदाबाद जिले में तीन लोकसभा सीटें हैं - जंगीपुर, बेरहामपुर और मुर्शिदाबाद। 2019 के चुनाव में, कांग्रेस ने बेरहामपुर सीट जीती, जबकि अन्य दो सीटें टीएमसी ने जीतीं। इस फैसले से कांग्रेस को नुकसान होगा क्योंकि पार्टी टीएमसी के साथ समझौते के तहत चुनाव लड़ने के लिए बड़ी सीटों की तलाश कर रही थी। ममता बनर्जी की पार्टी ने शुरू में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बंगाल में 18 सीटें जीतकर सभी को चौंका दिया। 42 सीटों में से कांग्रेस ने केवल दो सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी ने 22 सीटें जीतीं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के पक्षकार को धमकी प्राथमिकी दर्ज

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह प्रकरण के वादी आशुतोष पाण्डेय को कथित तौर पर पाकिस्तान और अन्य देशों से फोन व सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने वाले अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध जिले के जैंत थाने की पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि इस संबंध में जैंत थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने का प्रयास) 153 ए (विभिन्न धर्मों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) 507 (अज्ञात हमलावरों द्वारा आपराधिक धमकी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 67 में प्राथमिकी दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है। आशुतोष पांडेय के सहयोगी धर्मेन्द्र गिरि ने बताया कि यह प्राथमिकी मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के आदेश पर दर्ज की गई है। गिरि ने बताया कि प्रमुख सचिव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से कार्यवाही के संबंध में तत्काल रिपोर्ट भी तलब की है।

सरकार ने सेना में आधी आबादी पर कही यह बात

इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में महिलाओं की सबसे बेहतरीन भागीदारी

नई दिल्ली गणतंत्र दिवस 2024 के मौके पर कर्तव्य पथ पर भारतीय सेना की भव्य परेड आयोजित करने की परंपरा है। परेड में शामिल होने वाले सैनिकों में महिला-पुरुष दोनों शामिल होते हैं। सरकार ने महिलाओं की भूमिका पर अहम बयान दिया है। रक्षा सचिव गिरधर अरमाने के मुताबिक इस साल की परेड अब तक की सबसे अधिक महिला केंद्रित परेड होगी। उन्होंने बताया कि परेड में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों के अलावा केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों की झांकियों को भी चुना गया है। परेड के दौरान दुनिया के सामने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, एकता और प्रगति का भव्य नजारा आएगा।

शुरुआत महिलाएं करेंगी

इस साल गणतंत्र दिवस समारोह की थीम विकसित भारत और भारत-लोकतंत्र की मातृका मुख्य विषय होंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पहली बार परेड की शुरुआत 100 महिला कलाकारों की प्रस्तुति से होगी। भारतीय संगीत वाद्ययंत्र बजाती यह टीम परेड की शुरुआत में शंख, नादस्वरम, नगाड़ा जैसे वाद्ययंत्रों के साथ कर्तव्य पथ पर पहुंचेगी।

फ्रांस की टीम भी परेड में शामिल होगी

रक्षा सचिव ने कहा, इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार सेना के तीनों विंग की महिलाओं की टुकड़ी भी कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के दल में महिला सैनिक भी परेड में भाग लेंगी। रक्षा सचिव गिरधर अरमाने के मुताबिक फ्रांस से भी एक दल हिस्सा लेगा। उन्होंने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे। फ्रांस से 95 सदस्यीय मार्चिंग दस्ता और 33 सदस्यीय बैंड दल भी परेड में हिस्सा लेगा।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस साल की परेड में भारतीय वायु सेना के विमान, एक मल्टी-रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान और फ्रांसीसी वायु सेना के दो राफेल विमान फ्लाई-पास्ट में भाग लेंगे।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 देखने के लिए केंद्र सरकार ने लगभग 13,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया है।

गणतंत्र दिवस से जुड़े एक अन्य अहम फैसले में सरकार ने कहा है कि गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग रिट्रीट समारोह और राष्ट्रपति भवन में एट होम समारोह के कारण कुछ सरकारी कार्यालयों को जल्दी बंद करने का निर्देश दिया गया है। कार्मिक मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा, 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल होगा। रायसीना हिल्स पर राष्ट्रपति भवन के पास साउथ ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक, वायु भवन और उद्योग भवन समेत अन्य सरकारी कार्यालय 22 जनवरी को शाम 18ः30 बजे बंद कर दिए जाएंगे। सुरक्षा संबंधी जांच के लिए केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों / विभाग 23 जनवरी को दोपहर एक बजे तक बंद रखे जाएंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 9 लड़के और 10 लड़कियों को

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है। असाधारण वीरता दिखाने वाले 19 बच्चों को इस राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया है। एक बच्चे को मरणोपरांत पुरस्कार दिया जाएगा। असाधारण योगदान और उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए 5 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को पुरस्कार दिया जाना है। बच्चों को बहादुरी, कला और संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसी सात श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।

क्र.सं.	नाम	राज्य	श्रेणी
1	आदित्य विजय ब्रह्मणे (मरणोपरांत)	महाराष्ट्र	वीरता
2	अनुष्का पाठक	उत्तर प्रदेश	कला और सांस्कृतिक
3	अरिजीत बैनर्जी	पश्चिम बंगाल	कला और सांस्कृतिक
4	अर्मान उधराणी	छत्तीसगढ़	कला और सांस्कृतिक
5	हेतवी कॉटिभाई खिमसुरिया	गुजरात	कला और सांस्कृतिक
6	इश्फाक हमीद	जम्मू-कश्मीर	कला और सांस्कृतिक
7	एम.डी हुसैन	बिहार	कला और सांस्कृतिक
8	पेंड्याला लक्ष्मी प्रिया	तेलंगाना	कला और सांस्कृतिक
9	सुहानी चौहान	दिल्ली	नवाचार
10	आर्यन सिंह	राजस्थान	विज्ञान और प्रौद्योगिकी
11	अवनीश तिवारी	मध्य प्रदेश	सामाजिक सेवा
12	गरिमा	हरियाणा	सामाजिक सेवा
13	ज्योत्सना आकर	त्रिपुरा	सामाजिक सेवा
14	सैयम मजुमदार	असम	सामाजिक सेवा
15	आदित्य यादव	उत्तर प्रदेश	खेल
16	चावीं ए	कर्नाटक	खेल
17	जेसिका नेई सारिंग	अरुणाचल प्रदेश	खेल
18	लिंथोई चनांबाम	मणिपुर	खेल
19	आर सूर्य प्रसाद	आंध्र प्रदेश	खेल

प्राण प्रतिष्ठा में लगेगा शबरीधाम के मीठे बेर का भोग

■ अयोध्या के लिए रवाना हुआ रथ

कोरबा। प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान शिवरीनारायण में माता शबरी के जूठे बेर खाए थे। इसी कारण इस जगह का नाम शबरी धाम से शिवरीनारायण का नाम पड़ा। 22 जनवरी को अयोध्या में बड़े धूमधाम से भगवान श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा किया जा रहा है । जिसके लिए पूरे देश में धूमधाम से तैयारी चल रही है इसके लिए छत्तीसगढ़ के यदुवंशियों ने अनूप यादव ,मनोज के नेतृत्व में एक स्पेशल रथ के माध्यम से एक कुंतल मीठे बेर लेकर शबरी के धाम शिवरीनारायण से अयोध्या के लिए रवाना हुआ।

रथ को आकर्षक सजा सावरकर बुधवार को शबरी धाम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्राणप्रतिष्ठा के दिन रामलला को बैर प्रसाद का भोग लगाया जाएगा। इसके लिए शिवरीनारायण, जांजगीर, दीपका कटघोरा मैं नगर भ्रमण कराकर अयोध्या के लिए रवाना किया गया। स्पेशल रथ जैसे ही गेवरा दीपका नगर पहुंचा लोगों ने गाजे बाजे आतिशबाजी के साथ आरती थाल सजाकर पूजा अर्चना की और फिर उसे आगे रवाना किया। गेवरा के शक्तिनगर ,राधे कृष्ण मंदिर ,दीपेश्वरी मंदिर आजाद चौक प्रगति नगर ,समलाई माता मंदिर होते हुए कटघोरा आगे रवाना हुआ।

दीपिका में नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान , मुख्य नगर पालिका अधिकारी लवकेश सिंह पैकरा, समय सभी नगर वासियों ने रथ का स्वागत कर पूजा अर्चना की। लयह टीम 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान यहां भगवान राम को प्रसाद (भोग) शिवनरीनाराण के बेर से किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष अनूप यादव ने बताया कि एक क्विंटल बेर

लेकर विशेष रथ अयोध्या के लिए रवाना हो रहा है। ये स्पेशल बेर शिवरीनारायण सहित आसपास के जंगलों में भगवान राम के भक्त जनों के द्वारा जुटाए गए है। साथ ही छोटा बट वृक्ष शिवरीनारायण धाम में लगा हुआ उसका उसको लेकर ले जा रहे हैं जो अयोध्या धाम में लगाया जाएगा।

दरअसल अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर परिसर में कई और मंदिर बनाए गए हैं। इन देवी-देवताओं की मूर्तियों में एक मंदिर माता शबरी का भी है। अयोध्या से पहले छत्तीसगढ़ के शिवरीनारायण में शबरी माता मंदिर हैं, जिसके बारे कहा जाता है कि यह देश का पहला शबरी मंदिर है। अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राममंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान होंगे। वहां प्रभु के साथ उनकी भक्त माता शबरी का भी मंदिर बनाया जा रहा है। लेकिन ये प्रभु और माता शबरी के एक साथ दुनिया का दूसरा मंदिर होगा।

प्राण प्रतिष्ठा से खुश हैं डालचंद, पुलिस के डंडे खाए, देखे कई भयानक मंजर

कोरबा। कोरबा में एसईसीएल दीपका परियोजना में डालचंद सोनी फोरमैन के पद पर पदस्थ हैं जो की ग्राम पंचायत छुरीकला कोरबा के निवासी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आह्वान पर श्रीराम मंदिर आंदोलन हेतु 24 अक्टूबर 1990 को कार्य सेवक ठाकुर जुड़ावन सिंह के नेतृत्व में 56 लोगों की जत्था अयोध्या जाने के लिए निकला था । कोरबा जिला के अनेक कार सेवक ट्रेन के माध्यम से बिलासपुर से इलाहाबाद के रास्ते अयोध्या गए थे उस समय जनता दल की सरकार थी मुलायम सिंह मुख्यमंत्री थे इलाहाबाद में कारसेवकों को पुलिस गिरफ्तार कर रही थी इसकी सूचना मिलने पर एक स्टेशन पहले नैनी में उतरकर नाव के माध्यम से यमुना नदी को पार कर इलाहाबाद पहुंच गए । इलाहाबाद में एक आम सभा के बाद सभी को अयोध्या कूच करने का आदेश हुआ। इलाहाबाद के आगे बड़ी पुल पर अंधेरा का फायदा उठाकर हम सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। बड़ी बर्बरता से सभी को मारा गया छोटे बड़े बूढ़े सबको लाठी डंडे से पीटा गया। उस भगदड़ में अनेक कारसेवक घायल हो गए और भगदड़ में हमसे कई साथी बिछड़ गए हमें रात में गिरफ्तार किया गया था और दूर अनजान अस्थाई जेल में रात भर रखा गया हमने भोर होते ही उसे जेल के गेट को तोड़कर अयोध्या की जाने लगे और सभी उसी ओर चल पड़े। कोई साधन नहीं था पैदल चलकर इलाहाबाद सुल्तानगंज और फिर फैजाबाद जिला को बड़ी कठिनाइयों का सामना कर आखिरकार बड़े जद्दोजहद के बाद हम सभी लोग अयोध्या पहुंच गए। मुख्यमंत्री मुलायम सिंह ने दावा किया था कि अयोध्या में कोई भी परिंदा पर नहीं मार सकता है । जिसे सभी कार सेवकों ने झुठलाते हुए वहां पहुंच गए।

विस चुनाव में हुई थी परेशानी लोस चुनाव में न हो पुनरावृत्ति

■ टीचर्स एसोसिएशन ने की बैठक

कबीरधाम। छग टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी की अध्यक्षता में कवर्धा के राजीव गांधी पार्क में आयोजित एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें प्रमुख रूप से शिक्षक एलबी संवर्ग के स्थानीय समस्याओं का चिन्हांकन किया गया, जिसके निराकरण के लिए जिला व ब्लॉक स्तर के संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर निराकरण कराया जाएगा। राज्य स्तर के समस्याओं के संबंध में प्राप्त सुझाव को प्रांतीय इकाई के संज्ञान में लाया जाएगा।

विगत विधानसभा चुनाव में मतदान दल के ड्यूटी में कई विसंगतियां होने के चलते शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था, जिसकी पुनरावृत्ति लोकसभा में न करने का सुझाव रखा गया। दरअसल, विधानसभा चुनाव ड्यूटी के बाद जब कर्मचारी अपने सामान को लेकर लौटे थे, तो उन्हे सामान जमा करने के लिए दिक्कत हुई थी। इस दौरान विवाद भी हुआ था। इसके बाद जिला प्रशासन ने एक राज्यपाल से सम्मानित शिक्षक को सस्पेंड भी कर दिया था। तब इस कार्रवाई से शिक्षक नाराज थे।

इसी प्रकार बैठक में सहायक शिक्षक से शिक्षक हिन्दी के पद में जारी पदोन्नति सूची अनुसार संभाग के सभी रिक्त पदों को प्रदर्शित कर अविलम्ब काउंसिलिंग करने सहित शिक्षक, प्रधान पाठक

प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक, व्याख्याता एवं प्राचार्य के रिक्त पदों पर पदोन्नति की मांग किया गया। एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष ने नए प्रांतीय कार्यकारिणी की सूची जारी किया है, जिसके अनुसार विनोद गुप्ता को प्रांतीय उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

जिले से नए प्रांतीय पदाधिकारी की नियुक्ति बाद में किया जाएगा, जिसके लिए नाम प्रस्तावित करने हेतु जिलाध्यक्ष को अधिकृत किया गया।वर्तमान सत्र के संघ सदस्यता अभियान को 15 फरवरी तक बढ़ाते हुए जिले के सभी शिक्षकों से सदस्यता ग्रहण करने का आव्हान किया गया। बैठक के प्रारंभ में जिलाध्यक्ष चन्द्रवंशी ने जिला व प्रांतीय स्तर पर अब तक के संघीय गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान किया तत्पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों से सुझाव व विचार आमंत्रित कर सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। इस दौरान जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष सहित कई शिक्षकों ने संबोधित किया।

सर्करा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

बिलासपुर। पूर्व उपाध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर राजेश तम्बोली जिले की सकरी तहसील के सर्करा ग्राम में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने मंच से लोगों को 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर विकसित देश बनाने का संकल्प दिलाया। राजेश तम्बोली ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार आपके घर तक आकर आपको योजनाओं का लाभ दे रही है। एक वक्त था जब चूल्हे पर खाना बनाने में महिलाओं को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी चिंता कर उज्ज्वला योजना प्रारंभ की।

तम्बोली ने कहा कि बीमार लोगों के बेहतर इलाज के लिए आयुष्मान योजना प्रारंभ की। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को आजीविका मिशन चलाया। लोगों का स्वयं के पक्के मकान में रहने का सपना सच कर दिखाया। अब विदेश में भी भारत का मान निरंतर बढ़ रहा है। विकसित भारत बनाने में आम जन भी अपना सहयोग प्रदान करें। साथ ही अपने सुझाव भी प्रशासनिक अधिकारियों को दें। हम सभी के प्रयास से भारत विश्व गुरु बनेगा।कार्यक्रम को सरपंच सुशीला मरावी और दिलेश जयसवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर कृष्ण कुमार साहू, रामफल निर्मलकर, कन्हैया साहू, रामकुमार निर्मलकर, बृजेश निर्मलकर, श्यामता कौशिक, कुशल कौशिक, दिलेस जायसवाल, रितेश कर्ष, श्रीराम साहू, प्रशांत लहरे, नवीन कौशिक, विकास मरावी, रानी कर्ष, अश्वनी कौशिक, कृष्ण कुमार साहू, प्रशांत लहरे, शिवपुरी कौशिक, बिंदा कर्ष, जितेंद्र कौशिक प्रह्लाद साहू, रितेश कर्ष, गोरे कर्ष, दिलीप यादव, कन्हैया सूर्यवंशी, शिव कुमार, सुदीप यादव, विकास यादव, मंगल साहू, मधुर सिंह मरावी, रामकांत गुप्ता, मनीष साहू, पंकज यादव उपस्थित थे।

मुंगेली व्यापार मेला: संत भक्ति कल्याण समिति ने जीता पंथी नृत्य प्रतियोगिता

मुंगेली। स्टार्स ऑफ टुमारो वेलफेयर सोसायटी मुंगेली की ओर से जिले में हर साल की तरह इस साल भी 18 जनवरी से 6 दिवसीय मुंगेली व्यापार मेला का आयोजन जा रहा है। व्यापार मेले के पहले दिन यानी कल हुए पंथी नृत्य प्रतियोगिता में संत भक्ति कल्याण समिति पंथी दल हथनीकला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आदर्श संत के लहर पंथी दल मुढ़िया ने द्वितीय और लोक सांस्कृतिक खेल एवं मानव कल्याण समिति भटगांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पंथी नृत्य प्रतियोगिता में कल 12 चयनित पंथी दल की ओर से आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। पंथी प्रतियोगिता के निर्णायक पद्मराज बघेल, शिवकुमार बंजारा और भूपेंद्र बांधी रहे। पंथी नृत्य प्रतियोगिता को देखने लोगों की भारी भीड़ थी।

बता दें कि, इससे पहले विधायक पुन्नूलाल मोहले के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वहीं, आज व्यापार मेला के दूसरे दिन रंगोली प्रतियोगिता आयोजित है। इसका थीम मिशन चंद्रयान दिया गया है। इसके लिए अब तक 50 प्रतिभागियों ने पंजीयन कर लिया है। संध्या मंचीय कार्यक्रम के पूर्व इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

मुंगेली व्यापार मेला के दूसरे दिन संध्याकालीन कार्यक्रम में जूनियर वर्ग के विद्यालयीन बच्चों की ओर से पंजाबी नृत्य की प्रस्तुति होगी। इस प्रतियोगिता में शहर के अलावा आसपास के अन्य शहरों के विद्यालयों के बच्चों की भी प्रस्तुति होगी। बच्चों और पालकों में इसे लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। प्रतिभागी विद्यालयों में इसकी तैयारी सप्ताह भर पहले से कर रहे हैं। मुंगेली व्यापार मेला में बच्चों की प्रस्तुति हर वर्ष बहुत ही आकर्षक और शानदार होती है।

कोंडागांव की छात्रा अब स्पेन में लेगी जुडो की ट्रेनिंग

कोंडागांव। चाह अगर मन में हो तो राह खुद ब खुद निकल आती है। यह साबित कर दिया है जिले के एक गांव की बेटी 15 वर्षीय रंजीता करोटे ने। कक्षा 9वीं की छात्रा रंजीता के पिता नहीं है। मां की माली हालत कमजोर है। इसलिए बेटी को पढ़ाई के लिए वह कोंडागांव बाल कल्याण परिषद में छोड़कर चली गई। मगर यहां बेटी ने जो कारनामा कर दिखाया वह किसी से कम नहीं है। ऋडुस्त्र स्थ्सहद्ध ङ्क पार्लर में मेकअप कराने के शौक के लिए चोर बनी महिला, पड़ोसी के घर डाला डाका, ष्टष्टञ्जङ्क में कैद

दरअसल, रंजीता बाल कल्याण में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ आईटीबीपी के जवानों से जूडो के गुर भी सिखाने लगी। उसकी इसी लगन के चलते उसका चयन सांई भोपाल में हो गया। यहां भी उसने बाजी मार ली। अब उसे जूडो का प्रशिक्षण लेने के लिए स्पेन भेजा जा रहा है।

आईटीबीपी 41 बटालियन की ओर से संचालित कोंडागांव में कोचिंग कैंप है, जो वर्ष 2016 से संचालित किया जा रहा है। इससे कई अंदरूनी

क्षेत्र की छात्र-छात्राएं राज्य और राष्ट्रीय स्तर में जूडो में पदक ला चुके हैं। मगर रंजीता करोटे विदेश जाने वाली पहली छात्रा है। रंजीता आईटीबीपी में जूडो के उदय सिंह यादव और नारायण सोरेन से प्रशिक्षण ले रही थी। वह अब तक पांच बार राज्य में गोल्ड जीत चुकी है, तो वहीं भोपाल नेशनल जूडो में कांस्य और लखनऊ में भी कांस्य पदक जीत चुकी है।

रंजीता करोटे अब सांई भोपाल में रहकर अध्ययन कर रही है और वहीं पर जूडो का प्रशिक्षण ले रही है। विदेश भेजे जाने वाले खिलाड़ियों के ट्रायल में रंजीता ने भोपाल में बाजी मारी है। अब वह 20 जनवरी को स्पेन में अंतरराष्ट्रीय जुडो के अभ्यास सिलेक्शन में भाग लेने के लिए जाएगी। बता दें की 2020-23 में रंजीता का चयन खेलो इंडिया वूमेन लीग में हुआ था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कटघोरा में एएसपी नेहा वर्मा ने संभाला चार्ज

कोरबा। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद कटघोरा को जिला बनाने की कवायद शुरु कर दी गई है। इसी कड़ी में शासन की तरफ से कटघोरा में एएसपी के रुप में महिला पुलिस अधिकारी नेहा वर्मा को नियुक्त किया गया है जिन्होंने अपना पद्भार ग्रहण कर लिया है। कटघोरा एएसपी बनने के बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा की और कहा कि महिल और बच्चों से संबंधित अपराधों पर उनकी विशेष नजर रहेगी इतना ही नहीं विजिबल पुलिसिंग को लेकर भी उनके द्वारा विशेष ध्यान दिया जाएगा। शासन की तरफ से नेहा वर्मा को कटघोरा एएसपी बनाया गया है, जिन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनसे मुलाकात की और बधाईयां दी। मीडिया से चर्चा करते हुए कटघोरा एएसपी ने बताया,कि महिला व बच्चों से संबंधित अपराधों पर उनकी विशेष नजर रहेगी। उनकी कोशिश रहेगी,कि महिला व बच्चे निर्भिक होकर खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे। इसके अलावा अभिव्यक्ति एप के संबंध में जानकारी दी जाएगी ताकी लोग ऑनलाईन अपनी शिकायतें दर्ज करा सके।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पदक प्राप्त खिलाड़ी हुए सम्मानित

बीजापुर। राजस्थान के बीकानेर में अंडर 17 बालक व बालिका सॉफ्टबॉल स्कूल नेशनल गेम्स का आयोजन हुआ था। इस

प्रतियोगिता में राज्य की अंडर 17 टीम में बीजापुर जिले से छह खिलाड़ियों का चयन हुआ था। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के बालिका वर्ग में विमला तेलम, ऋषिका गोंदे और अनामिका चेरपा को सिल्वर मेडल वहीं बालक वर्ग में राकेश कडती, सुशील कुडियम एवं बादल कोरसा को ब्रोंज मेडल प्राप्त हुआ है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर बीजापुर कलेक्टर अनुराग पांडे ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही कलेक्टर ने खेल को और बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी दिलीप उईके एवं श्रम निरीक्षक और सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय कोच सोपान कर्णेवार व सहायक कोच कृष्णा डोडी मौजूद रहे।

पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़

भाटापारा। भाटापारा में बिजली का ट्रांसफार्मर गिराकर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने गिरोह के सात बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया। इसी के साथ पुलिस ने चोरी के पांच मामलों का खुलासा किया है। जानकारी के मुताबिक, गिरोह के सभी सदस्य ग्राम रिसदा, मोहभट्ठा मस्तूरी जिला बिलासपुर के रहने वाले है। ये सभी आउटर क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर चोरी करते थे। आरोपियों की पहचान लालाराम केंवट उर्फ भगत केंवट पिता देवसिंह केंवट मस्तुरी बिलासपुर, अमरबाबूवानी उर्फ कुंदन वानी पिता सुरजवानी रिसदा बिलासपुर, जितेन्द्र वागले पिता सरोज वागले मोहभठ्ठा थाना मस्तूरी बिलासपुर, सुमन जांगडे पिता दशरथ जांगडे रिसदा बिलासपुर, वीरेन्द्र सिंह राय पिता जगदीश प्रसाद रिसदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर, टारजनवानी उर्फ टीपू वानी पिता सुरजवानी रिसदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर, राजआर्यनवानी उर्फ खेखडा पिता बब्बन वानी रिसदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर के रूप में हुई है।

धान और लकड़ी के अवैध परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई

बलरामपुर। जिले के बसंतपुर पुलिस को एक ही रात में तीन सफलताएं हासिल की। एक तरफ जहां अवैध राइफल बनाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं लकड़ी के चिरान के साथ धान का अवैध परिवहन करने वाले वाहन को जब्त किया। बसंतपुर थाना प्रभारी कुमार चंदन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर की सूचना पर छत्तीसगढ़ की सीमा पर बाजार गांव में सौ बोरी धान का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर को पकड़ा। वहीं बसंतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदारी में उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी रुस्तम खान पिता नाजिम खान को 12 बोर राइफल का निर्माण करते हुए पकड़ने में कामयाबी पाई। इसके अलावा रात्रि गश्त के दौरान एक पिकअप वाहन में लकड़ी चिरान से भरे पिकअप वाहन को भी बसंतपुर पुलिस ने पकड़ा है। वाहन में छत्तीसगढ़ से चिरान को लेकर उत्तर प्रदेश की ओर आरोपी ले जा रहे थे। सभी मामले में पुलिस कार्रवाई जारी है।

तेज रफ्तार पिकप अनियंत्रित होकर पलटा, छह लोग घायल

जशपुर। जशपुर में बीती रात आठ बजे के करीब विवाह की रस्म घरदेखी करके पिकप वाहन से लौट रहे 40 लोग सड़क हादसे का शिकार हो गए। कलिया गांव के पास मैना घाट में हुए इस हादसे में पिकप अनियंत्रित होकर गाड़ी पलट गई।घायलों में 06 घायलों का ईलाज बगीचा शासकीय अस्पताल में किया जा रहा है जिनमें से चार घायलों को गम्भीर हालत में अम्बिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।शेष घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। घटना की पुष्टि बगीचा एसडीएम आर एस लाल ने की है। घटना के बारे में एसडीएम लाल ने बताया कि गैलूँगा निवासी फूलचंद राम भुईँहर की बेटी का विवाह तय करने की रस्म घरदेखी में गुरुवार 18 जनवरी की सुबह पिकप में 40 लोग सवार हुए और एकम्बा छिछली गांव में में गए हुए थे।शाम को घर लौटते वक्त मैना घाट की ढलान पर पिकप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई।जिससे वाहन में सवार महिला-पुरुष और वृद्ध लोगों को चोटें आई। 7 बच्चे थे जिन्हें खरोंच भी नहीं आई।

भ्रष्टाचार से मन नहीं भरा तो जमीन भी डकार गए अधिकारी

■ 'पानी' में गई किसानों की जमीन ! अब बचाव में एक दूसरे पर कर रहे आरोप-प्रत्यारोप

नारायणपुर। जिले के फरसगांव क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने और पानी की समस्या दूर करने किसान हित मे केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर योजना अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा 5 तालाब निर्माण किये गये हैं। जहां अधिकारी ठेकेदार से मिलीभगत कर जमीन डकार गए। मामला उजागर होने पर जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने कृषि विभाग द्वारा जमीन का चिन्हांकन कर दिया गया कहकर अपना बचाव कर लिया। वहीं कृषि विभाग के अधिकारी ने खुद का बचाव करते हुए जल संसाधन विभाग को घेरते हुए कहा कि विभाग को पहले देखना चाहिए था कहां खनन किया जाना है।

दरअसल, 5 तालाबों में हर तालाब की लागत लागभग 29 लाख रुपये है। वहीं ग्रमीणों का आरोप है कि तालाब निर्माण मानक और लागत के अनुरूप नहीं है। तालाब निर्माण में भारी कोताही बरतने के साथ ही जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। इतना ही नहीं तालाब निर्माण करने के पहले जल संसाधन विभाग के अधिकारी कर्मचारी द्वारा ग्रामीणों

से जमीन के बदले जमीन या मुआवजा देने की बात कहकर 6 ग्रामीणों के निजी पट्टे वाली जमीन पर तालाब खोद दिया। तालाब निर्माण के महिनों बाद विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जब गांव नहीं पहुंचे तब ग्रमीणों ने 4 सितंबर 2023 को जनदर्शन में नारायणपुर कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई। कलेक्टर के आश्वासन के बाद ग्रमीण खुशी-खुशी वापस अपने गांव लौट गए। कार्रवाई न होने पर ग्रमीणों ने 21 सितंबर 2023 को फरसगांव थाना और 22 सितंबर 2023 को बेनूर थाना में आवेदन दिया। जिसके बाद ग्रमीण 03 अक्टूबर 2023 को पुनः जनदर्शन में नारायणपुर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के पास गुहार लगाने पहुंचे। इसके बाद भी ग्रमीणों ने नारायणपुर तहसीलदार के पास जमीन का सीमांकन करने की मांग लेकर पहुंचे। जिसके बाद तहसीलदार ने ग्रमीणों को पूरा दस्तावेज सौंपा। पूरे मामले पर भाजपा नेता सचिन जैन ने मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन से 7 दिवस के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर उचित कार्रवाई की मांग की थी। इधर जल संसाधन विभाग के एसडीओ एमएस कुंजाम ने कहा तालाब खनन का कार्य कृषि विभाग को मिला था। शुरुआती तौर पर कृषि विभाग ने काम किया। बाद में कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को एजेंसी बनाया। जमीन चिन्हांकन का काम कृषि विभाग से हुआ है। तो वहीं कृषि विभाग के अधिकारी बाल सिंह बघेल ने जल संसाधन विभाग पर ही सारा ठिकरा फोड़ते हुए कहा कि जल संसाधन विभाग को तालाब खनन से पहले देखना चाहिए था कि कहां खनन किया जा रहा है और उनको गाइडलाइन के अनुसार कार्य और भुगतान किया जाना था। दोनों ही विभाग की लापरवाही ने आदिवासी किसानों की 3.5 एकड़ जमीन डूबा दी। अब किसान जमीन के बदले जमीन या मुआवजा के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

भानुप्रतापपुर में दो भाजपा नेताओं के बीच हुई हाथापाई

कांकेर। भानुप्रतापपुर में दो भाजपा नेताओं के बीच हाथापाई का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि जिला संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी मामले पर कुछ भी कहने से बचने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन जिनके बीच विवाद का वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों ने घटना की बात स्वीकार की है।

दरअसल, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष राजा पांडे व भाजपा के भानुप्रतापपुर मंडल अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान के बीच हाथापाई की एक वीडियो गुरुवार को वायरल हो गया। राजा पांडेय ने बताया कि नरोत्तम सिंह चौहान से चर्चा हो रही थी जबकि मंडल अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान का कहना है कि मेरे मंडल में कोई गंदगी फैलाने नहीं दूंगा। जिसका जो कार्य क्षेत्र है, अपने क्षेत्र में जो करना है कर ले। सूत्रों का कहना है कि भानुप्रतापपुर के आजाद होटल में भाजपा नेताओं की आपसी कलह को दूर करने करने के लिये बैठक की गई थी। लेकिन विवाद इतना बढ़ गया कि राजा पांडे गुस्से में आकर नरोत्तम चौहान के साथ हाथापाई पर उतर आए। जिस जगह

पर विवाद हो रहा है। वहां पर भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष व भानुप्रतापपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल राठौर व अन्य नेता नजर आ रहे हैं।

इस मामले में जिलाध्यक्ष सतीश लाटिया से जानकारी लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। इस हाथापाई का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा संगठन की जहां गुटबाजी उजागर हो रही है, वहीं आने वाले दिनों में होने वाले संगठन के नियुक्तियों में भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री टंकराम वर्मा ने मंदिर प्रांगण में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई का दिया संदेश

रायपुर। मंत्री टंकराम वर्मा ने अम्लेश्वर

महादेव वाटिका के मंदिर प्रांगण में झाड़ू लगाकर लोगों को साफ-सफाई का संदेश दिया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने आज नगर पालिका अम्लेश्वर महादेव वाटिका के मंदिर प्रांगण में झाड़ू लगाकर लोगों को सफाई का संदेश दिया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मंत्री वर्मा ने भगवान महादेव की पूजा कर राज्य के लोगों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने राज्य के निवासियों से अपील की है कि अपने आसपास के मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

नीलेशकुमार क्षीरसागर अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त

रायपुर। राज्य शासन ने एक बार फिर प्रशासनिक सर्जरी की है। जारी आदेश के मुताबिक 2011 बैच के आईएएस अधिकारी नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले इन्हें संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं 2013 बैच के आईएएस अधिकारी पी.एस। ध्रुव को संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले इन्हें संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के साथ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

22 को शासकीय कार्यालयों में हॉफ टाइम रहेगी छुट्टी, आदेश जारी

रायपुर। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सीएम विष्णुदेव साय की घोषणा के बाद 22 जनवरी को आधे दिन की छुट्टी का आदेश जारी कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अवसर सचिव अंशिका ऋषि पांडेय अवर सचिव ने आज आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 22 जनवरी को 2:30 बजे तक अवकाश रहेगा। सारे शासकीय कार्यालय में हॉफ टाइम छुट्टी रहेगी। आपको बता दें कि अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। इसके चलते केंद्र सरकार 22 जनवरी को आधे दिन की छुट्टी का ऐलान कर चुके हैं। वहीं अब सीएम साय की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ में भी आधे दिन की छुट्?टी का आदेश जारी हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के पिता के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री वर्मा

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा आज पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के पिता स्व. श्री नंदकुमार बघेल के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्व. बघेल को श्रद्धा सुमन अर्पित किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

राज्यपाल को राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष ने वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन

को आज राजभवन में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वर्मा ने आयोग का बाईसवां वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2022-2023) सौंपा। इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के सदस्य द्वय डॉ. सरिता उइके, श्री संतकुमार नेताम, सचिव श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा तथा परीक्षा नियंत्रक श्रीमती आरती वासनिक उपस्थित थे।

मोदी व शाह की दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं भारत के नवीन कानून : साय

देश के लिए अहम विषय है बेहतर न्याय व्यवस्थाः शर्मा, नवीन कानूनों के प्रस्तुतिकरण कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भारत के तीन नवीन कानूनों को लेकर कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की दूरदर्शी सोच की वजह से ही ये संभव हो पाया है। श्री साय ने कहा है कि आजादी के इतने वर्ष बाद भी हम अंग्रेजों के बनाए कानून का ही पालन कर रहे हैं जिसे बदलने का समय आ गया है। श्री साय ने कहा है कि समय के साथ परिवर्तन अनिवार्य है और देश, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बेहतर परिवर्तन की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज रायपुर के पुराना पुलिस मुख्यालय में नवीन कानूनों के प्रावधानों के प्रस्तुतिकरण में शामिल हुए और कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस को आने वाले समय में संसाधनों की कमी नहीं होगी और प्राथमिकता के आधार पर छत्तीसगढ़ पुलिस को और सशक्त करेंगे। नवीन कानूनों के प्रावधानों के प्रस्तुतिकरण के मौके पर राज्य के गृहमत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था देश का एक अहम विषय है। उन्होंने नवीन कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृहमंत्री के प्रयासों से ये संभव हो पाया है कि हमें अंग्रेजों के कानून से मुक्ति मिलने जा रही है।

छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा ने मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री के समक्ष नवीन कानूनों के प्रावधानों की प्रस्तुति देते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023, नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। श्री जुनेजा ने बताया कि नवीन कानून दंड देने की बजाए पीड़ित को न्याय देने की भावना के साथ तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुराने कानून दंड पर आधारित हैं जबकि नए कानून महिला सुरक्षा एवं न्याय पर आधारित हैं।

नवीन कानूनों के प्रावधानों के प्रस्तुतिकरण के मौके पर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, प्रमुख सचिव विधि श्री रजनीश श्रीवास्तव, एडीजीपी श्री विवेकानंद, एडीजीपी श्री अमित कुमार, वित्त सचिव श्री अंकित आनंद समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जय श्री राम के उद्घोष के साथ राम रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राज्य अतिथि गृह पहुना से राम रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने चिट्ठी में मनोकामना के रूप में जय श्री राम लिखकर रथ के जरिये अयोध्या श्री राम लला के पास भेजा और प्रदेशवासियों के खुशहाल एवं सुखमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री के साथ रायपुर कान्वेंट स्कूल की छात्राओं ने भी अपने संदेश ड्राप बॉक्स में डाले। कार्यक्रम स्थल में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के डायरेक्टर श्री मनोज राजपूत, डॉ. ओम माखीजा और श्री प्रेम देवांगन भी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि 94.3 माय एफ एम रेडियो चैनल के द्वारा एक चिट्ठी सियाराम के नाम अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत राम रथ राज्य भर में भ्रमण कर प्रदेशवासियों से उनकी मनोकामना हेतु लिखित संदेश चिट्ठी के रूप में एकत्रित करेगा। राम रथ प्रदेश भर से एकत्रित संदेश मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान श्री राम के पास अयोध्या पहुँचेगा और श्रद्धालुओं के लिए आशीर्वाद के रूप में अयोध्या से मिट्टी और प्रसाद लेकर वापस लौटेगा ।

अपने विभागों को डिजीटल प्लेटफार्म पर लायें : उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता एवं कार्यों की जानकारी ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विभागों की जानकारी उपलब्ध होने से प्रशासन में सुगमता आती है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से माध्यम से गुजरात सरकार के अधिकारियों से जुड़कर गुजरात सरकार के सीएम डैश बोर्ड की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने डैश बोर्ड के माध्यम से योजनाओं की निगरानी, मूल्यांकन और शिकायत निवारण की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने विभागीय डाटा गुणवत्ता रेटिंग, वास्तविक समय प्रदर्शन मापन प्रणाली, प्रगति और शिकायत निवारण प्रणाली के बारे में जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी डिजीटल भारत के बारे में विशिष्ट सोच रखते हैं। उन्होंने गुजरात के अधिकारियों से कहा कि आपने डैश बोर्ड बनाने में बहुत मेहनत की है। आपके मेहनत का लाभ हमारे राज्य को भी मिले। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता को बढ़ावा देने कार्यात्मक क्षेत्रों में डिजिटल सिस्टम सुनिश्चित करना, डाटा एकीकरण, सरकार के भीतर जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा सरकारी कार्यालयों की उपलब्धता बढ़ाना वर्तमान समय की मांग है। हम अपने विभागों को डिजिटल प्लेटफार्म पर लायें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सीईओ छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी श्री रितेश कुमार अग्रवाल, राज्य शासन के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने क्रेडा की नई पहल

अनुदान स्वीकृति के लिए जोनल और क्षेत्रीय कार्यालय को किया अधिकृत

रायपुर। गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने क्रेडा नई पहल कर रहा है। मार्केट मोड योजना के तहत् क्रेडा के जोनल एवं क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा सौर संयंत्र स्थापित करने अनुदान की स्वीकृति तथा विमुक्ति की सम्पूर्ण प्रक्रिया 120 दिवस के स्थान पर 67 दिवस में पूर्ण की जा रही है। योजना के तहत अब तक 38 प्रकरणों पर 36 ।25 लाख रुपए की अनुदान राशि स्वीकृत भी की जा चुकी है।

अनुदान स्वीकृति की प्रक्रिया का सरलीकरण करते हुए अनुदान स्वीकृति का अधिकार क्रेडा के संबंधित जोनल कार्यालयों को प्रत्यायोजित किया गया है। अब अनुदान की स्वीकृति प्रधान कार्यालय के स्थान पर संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा जारी की जाएगी।

इसके तहत् स्वीकृति योग्य आवेदन पर अधिकतम 15 दिवस के भीतर अनुदान स्वीकृति तथा संयंत्र स्थापना के अधिकतम 22 दिवस उपरांत अनुदान का भुगतान सीधे संबंधित हितग्राही के खाते में किया जाना निर्धारित किया गया है।

इससे अनुदान की स्वीकृति क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर होगी तथा प्रदेश की जनता को इसका त्वरित लाभ भी प्राप्त होगा। मार्केट मोड योजनांतर्गत सौर संयंत्रों की स्थापना हेतु किसी प्रकार की जानकारी हेतु क्रेडा द्वारा सहायक अभियंता आकाश शर्मा, उप अभियंता राकेन्दु तिवारी और अनिल साहू को नोडल अभियंता नामित किया गया है।

अनुदान स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र, पहचान पत्र, पते का प्रमाण, बैंक पास बुक, 2 पासपोर्ट साईज फोटो की स्वप्रमाणित प्रति के साथ प्रोसेसिंग शुल्क क्रेडा के संबंधित जिला कार्यालय में जमा किया जाना होगा। सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए ऑफलाईन अथवा ऑनलाईन आवेदन भरने संबंधी सहायता के लिए कनिष्ठ सहायक पुनेश साहू (मो-न 8602092346) से कार्यालयीन समयावधि समय पर सम्पर्क किया जा सकता है।

22 जनवरी को छत्तीसगढ़ कांग्रेस भी होगी राममय, डिप्टी सीएम ने किया स्वागत

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस भी राममय होगी। इस अवसर पर पार्टी की ओर से प्रत्येक जिला मुख्यालयों के साथ कौशल्या धाम चंद्रखुरी में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। आयोजन में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज भी शामिल होंगे। कांग्रेस के फैसले का डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने स्वागत किया है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बताया कि कांग्रेस ने 22 जनवरी के लिए कार्यक्रम तय किया है। इस अवसर पर राजीव भवन के साथ सभी जिला मुख्यालयों में हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। कौशल्या धाम चंदखुरी में भी हनुमान चालीसा और सुंदर काण्ड का पाठ किया जाएगा। वहीं बैज ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी की सर्टिफिकेट बांटने की जरूरत नहीं है। भगवान का आस्था हमारे दिल में है। अयोध्या जाना, नहीं जाना, यह व्यक्तिगत आस्था का मामला है। बीजेपी सरकार ने कहा इसलिए कार्यक्रम तय करने के सवाल पर दीपक बैज ने कहा बीजेपी के कहने पर हमने तय नहीं किया। हमारी सरकार ने माता कौशल्या का धाम बनाने का काम किया। राम वन गमन पर्यटन परिपथ के माध्यम से प्रदेश में विकास का काम किया। पर्यटन स्थल के रूप में और आस्था के रूप में सरकार ने जगहों को डेवलप किया। बीजेपी केवल राम के नाम पर राजनीति कर रही है।

पीएल पुनिया के 'राहुल गांधी ने किसी को राम मंदिर जाने से मना नहीं वाले बयान पर दीपक बैज ने कहा कि यह व्यक्तिगत आस्था है। कोई मंदिर जाता है, तो किसी को पूछकर नहीं जाता है। जिनका जब समय होगा तब जाएंगे। जरूरी नहीं की बीजेपी ने तय कर लिया कि 22 तारीख को जाना है। शंकराचार्य को आप देख रहे हैं। उन्हें दरकिनार कर और प्राण प्रतिष्ठा कर धर्म गुरुओं का अपमान है। दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी को भगवान राम के नाम पर वोट मांगना है, और राजनीति करना है। बहुत से साधु-संत इससे बिल्कुल सहमत नहीं हैं। राम के ननिहाल से मुख्यमंत्री को आमंत्रण ना देने की बात पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब वह रामभक्त हैं। 22 जनवरी को हम फिर मिलेंगे। बीजेपी के लोगों को राम भक्त होने का प्रमाण पत्र मिला है। प्रमाण पत्र मिला है, तो वही लेकर अयोध्या जाएंगे। धान खरीदी पर दीपक बैज ने कहा कि अभी भी धान आ रहा है। समय पर बढ़ोतरी करनी चाहिए। अगर पूरी तरह से धान खरीदी नहीं हो पाई तो सरकार को फैसला करना चाहिए। अगर किसानों से वादा किया है तो पूरा करें। हमने सरकार बनते ही 2 घंटे में वादा पूरा किया था। कांग्रेस के 22 जनवरी को हनुमान चालीसा का पाठ करने के फैसले का डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस बात का स्वागत है, जरूर करना चाहिए, और भी काम करना चाहिए। जो दर्शन नहीं करना है, ऐसा सोचकर बैठे हैं, उनको दर्शन भी करना चाहिए। बड़ा शुभ दिन है। 500 सालों के बाद ये दिन मिला है। इतने साल तक पूरे समाज ने प्रतीक्षा की थी, जहां पर राम मंदिर तोड़ा गया था, वहीं राम मंदिर बनना चाहिए। अब जब वो घड़ी आ गई है, और अगर कोई इस बात का विरोध करता है, तो वो बात गलत है।

एक भी ऐसा काम बीजेपी बता दें जिसका जनता को मिल रहा हो सीधा लाभ : बैज

बालोद। छत्तीसगढ़ विधानसभा स्पीकर डॉ रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तारीफ करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा। जिसपर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार आने के बाद बीजेपी ने दो महीने के अंदर किये एक भी ऐसा काम बीजेपी गिना दे जिसका जनता को सीधा लाभ मिला हो। इसके साथ ही दीपक बैज ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है।

दरअसल, बालोद जिला के गुंडरदेही में आयोजित श्री रामचरितमानस वितरण समारोह में शिरकत करने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तारीफ करते हुए कहा था। छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है जो ऐसा सहज सरल स्वभाव का कम बोलने वाला मुख्यमंत्री मिला जो बोलते नहीं करते सिर्फ करते हैं। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के आने के बाद जो परिवर्तन हुआ इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री सिर्फ बोला करते थे। हमारे मुख्यमंत्री कम बोलते है, काम ज्यादा करते हैं। ऐसा नाम विष्णुदेव साय का है।

डॉ रमन सिंह के इस बयान पर बालोद पहुंचे पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि दिसंबर से अगर लेकर चले तो 2 महीने में एक भी ऐसा काम बता दें भाजपा की सरकार जो जनता को सीधा लाभ मिल रहा हो। हमारी सरकार में 2 घंटे के अंदर किसानों का कर्ज माफी और 2500 रुपये में समर्थन मूल्य देने का घोषणा किया गया था और 6 दिन के अंदर टाटा की जमीन वापसी करने की घोषणा हमारी सरकार ने की थी। तीन बड़ी घोषणाएं हमने की, कम से कम बीजेपी एक बड़ी घोषणा बता दे जो उन्होंने वादा किया था और उसे अभी तक पूरा किया है। हमारी सरकार ने 5 साल तक ईमानदारी से काम किया। किसानों को लाभ मिला स्कूल बच्चों को लाभ मिला, माता बहनों को लाभ मिला लेकिन इस सरकार के आते ही किसान आत्महत्या कर रहे हैं, बच्चे परेशान हैं, माता-बहने सुरक्षित नहीं है। ये सरकार पूरी तरह बेलागाम हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता,
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर (छ.ग.)

ई-उपार्जन निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 05-02-2024 समय 17.30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

सिस्टम निविदा क्र./ निविदा सूचना क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
STN-151709/23/SAC/2023-24 17-02-2024	लवंगपानी जलाशय योजना का निर्माण कार्य ।	रु. 1051.82 लाख
STN-151714/24SAC/2023-24/ 17-02-2024	भुमका नाला व्यपवर्तन योजना का निर्माण कार्य ।	रु. 3368.93 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 24-01-2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट- 1. निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
जी- 0 7210/10 **कृते-मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार, ज.स.वि. अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)**

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने दिए निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कल मलेरिया उन्मूलन पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय संभागीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। पहले दिन स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और ग्लोबल फंड्स सपोर्टेड सभी 10 राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर छत्तीसगढ़ राज्य में विशेष रूप से मलेरिया के मामलों की समीक्षा की गई। रायपुर में आयोजित बैठक में संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, श्री राजीव मांझी, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छ.ग. शासन, श्री जगदीश सोनकर, संयुक्त सचिव श्रीमती विमला नावरिया (छत्तीसगढ़ शासन) डॉ. तनु जैन निदेशक, एनसीवीबीडीसी (भारत सरकार) डॉ. रिंकू शर्मा संयुक्त संचालक, एनसीवीबीडीसी (भारत सरकार) सलाहकार एनवीबीडीसी डॉ. सी. एस. अग्रवाल, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रतिनिधि व छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा के वरिष्ठ क्षेत्रीय संचालक के साथ सभी 10 राज्यों के (मलेरिया) कार्यक्रम अधिकारी व उनकी टीम समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मलेरिया उन्मूलन हेतु बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2030 तक मलेरिया उन्मूलन हेतु जो रोडमैप तैयार किया गया है। उक्त लक्ष्य प्राप्ति हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2015 में वार्षिक परजीवी सूचकांक 5.21 से कम होकर वर्ष 2023 में 0.98 रिपोर्ट किया गया है। राज्य सरकार के द्वारा ट्राईबल क्षेत्रों में मलेरिया एक्शन प्लान के ऊपर भी कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेश में 2020 से %मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान% का संचालन किया जा रहा है। । बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने सभी 10 राज्यों में मलेरिया की स्थिति की जानकारी के साथ ही छत्तीसगढ़ में मलेरिया अद्यतन स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता व मितानिनों द्वारा मलेरिया नियंत्रण की दिशा में अच्छा कार्य किया जा रहा है। मलेरिया नियंत्रण हेतु उन्होंने गुणवत्तापूर्ण माइक्रोस्कोपिक टेस्टिंग/आरडी टेस्ट बढ़ाने हेतु भी निर्देश दिए साथ ही मलेरिया के मरीजों की मृत्यु न हों इस पर भी जोर दिया। मलेरिया प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच व उपचार के साथ स्क्रीनिंग बढ़ाने के भी निर्देश संबंधितों को दिए।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल सिहावा भवन परिसर, सिविल लाइन्स, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल
https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 151659 /निविदा सूचना क्रमांक 13/वलेलि/2023-24, महासमुंद, दिनांक 17.01.2024
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 05.02.2024 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

कार्य का नाम- महासमुंद जिले के विकासखण्ड महासमुंद की कोडार परियोजना अंतर्गत शीर्ष कार्य के डाउन स्ट्रीम में हॉल रोड का चौड़ीकरण एवं विस्तार कार्य तथा अन्य सुरक्षात्मक कार्य।

अनुमानित लागत- रु.187.21 लाख (एसओआर दिनांक 01.08.2010 और संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 24.01.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, महासमुंद
जी- 07206/6 **कृते- अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल, रायपुर, (छ.ग.)**

22 जनवरी को कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस नेतृत्व ने जब राम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट करने का एलान किया था, तो उसने सोचा नहीं होगा कि उसका यह स्टैंड कितना भारी पड़ेगा। कांग्रेस के लगभग सभी प्रादेशिक नेताओं ने आमन्त्रण को स्वीकार करके अपने नेतृत्व को बता दिया है कि धर्म के मामले में वह उसका अनुसरण करने को तैयार नहीं है। सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने आमन्त्रण को स्वीकार करते हुए आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद का आभार जताया, उसके बाद तो कांग्रेस के कई नेता उनकी लाईन अपनाते दिखाई दे रहे हैं। ग्वालियर के पुराने कांग्रेस नेता आनन्द शर्मा ने सिर्फ इस बात पर कांग्रेस छोडी है कि उनके नेतृत्व ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बायकाट किया है। दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह का भी कठोर बयान आया है। हालांकि कांग्रेस ने रामजन्मभूमि मन्दिर पर वही लाईन अपनाई है, जो जवाहर लाल नेहरू के वक्त से कांग्रेस अपनाती चली आ रही थी। 9 अगस्त 2019 के सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद और उससे कुछ पहले राम जन्मभूमि मंदिर का श्रेय लेने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने यह कहना शुरू कर दिया था कि विवादास्पद ढांचे पर ताले भी राजीव गांधी ने खुलवाए, और 1989 का शिलान्यास भी राजीव गांधी ने करवाया। लेकिन 1989 में हुआ शिलान्यास बाबरी ढाँचे के मध्य वाले उस गुबंद से 192 मीटर दूर था, जिसे रामजन्मभूमि का स्थान माना जाता है। अब बन कर तैयार हो रहे मन्दिर के सिंहद्वार के स्थान पर शिलान्यास हुआ था, जिसे विश्व हिन्दू परिषद ने एक दलित कामेश्वर प्रसाद से पहली ईंट रखवा कर शिलान्यास करवाया था। अगर राजीव गांधी ने ताले खुलवाए और शिलान्यास करवाया तो कांग्रेस से गलती कहाँ हुई। गलती तब हुई, जब रामसेतु के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार ने कोर्ट में यह हल्फिया बयान दिया कि राम के पैदा होने के ही प्रमाण नहीं हैं। नेहरू की जिस गलती ने हिन्दुओं को कांग्रेस से दूर करना शुरू किया था, उसे राजीव गांधी ने अगर सुधारना शुरू किया था, तो उनकी पत्नी सोनिया गांधी और बेटे राहुल गांधी ने 2004 से 2014 के बीच पूरी तरह बिगाड़ दिया। 2004 के बाद से कांग्रेस ने पूरी तरह मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी, जिसका नतीजा यह निकला कि कांग्रेस में हिन्दुओं की वकालत करने वाला कोई नहीं बचा। कांग्रेस अब पूरी तरह से वामपंथी रंग में रंग गई है। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमन्त्रण इन दोनों ही पार्टियों ने ठुकराया है। कांग्रेस और वामपंथियों को छोड़कर इंडी एलायंस के सभी दलों ने अयोध्या की राह पकड़ ली है। हो सकता है दक्षिण भारत में असर कुछ कम देखने को मिले, लेकिन यह तय है कि समूचे उत्तर भारत में 22 जनवरी को दिवाली मनाई जाएगी। कांग्रेस के ही बड़े नेता आचार्य प्रमोद ने तो कहा है कि कांग्रेस पर भगवान राम का प्रकोप शुरू हो चुका है। गांधी परिवार ने हिन्दू कांग्रेसियों को भारी मुश्किल में डाल दिया है। भाजपा इस मुश्किल का फायदा उठाने में जुट गई है वह उन कांग्रेसियों को साध रही है, जो कांग्रेस नेतृत्व के आत्मघाती निर्णय से खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। सारे वामपंथी पत्रकार ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वानन्द का इंटरव्यू लेने दौड़ रहे हैं। उसी समय उनके वे पुराने वीडियो वायरल हो रहे हैं, जब वह 2014 और 2019 में वाराणसी में मोदी का विरोध करने गए थे। जगन्नाथ पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती तो बड़े गर्व से कहते हैं कि सोनिया गांधी का नाम उन्होंने सुवर्णा रखा है। लेकिन सोनिया तो कभी शंकराचार्य से मिलने भी नहीं गई होगी, जबकि मोदी और अमित शाह के उनके चरणों में बैठे फोटो वायरल हो रहे हैं। सवाल यह कि 22 जनवरी को जब देश भर के हिन्दू दीवाली मना रहे होंगे, मन्दिरों, बाजारों, गलियों, मोहल्लों , घरों में दीपमाला हो रही होगी। उस दिन कांग्रेस क्या कर रही होगी, या कांग्रेस के हिन्दू नेता क्या कर रहे होंगे। अगर 22 जनवरी को राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा किसी मंदिर में जाते हैं, तो किसी हद तक अपनी और अपनी पार्टी की साख बचा लेंगे।

अमित शाह ने बिहार में खिड़की खोल दी

अजय सेतिया

कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी एलायंस की हवा निकालने के लिए भारतीय जनता पार्टी एक तरफ विपक्षी दलों में बड़ी सेंधमारी की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ बिहार जैसे 40 लोकसभा सीटों वाले राज्य में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार भी कर रही है। जिन अमित शाह ने बिहार में जाकर एलान किया था कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हो चुके हैं, दरवाजे तो क्या खिड़कियाँ भी बंद हो चुकी है। उन्हीं अमित शाह ने यह कह कर नीतीश कुमार के लिए खिड़की खोल दी है कि अगर कोई प्रस्ताव आएगा, तो विचार किया जाएगा। अमित शाह ने यह बात एक ऐसे क्षेत्रीय अखबार को दिए इंटरव्यू में कही है, जिसका बिहार में प्रभाव बहुत कम है, लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश में ज्यादा प्रभाव है। यह वही अमित शाह हैं जिन्होंने कुछ महीने पहले कह दिया था कि लालू और नीतीश का गठबंधन तेल और पानी का गठबंधन है, जो कभी घुलमिल नहीं सकता। नीतीश कुमार के लिए यह एक चेतावनी थी कि उनके साथ क्या होने वाला है।

अमित शाह की बात बिलकुल सही निकली। लालू यादव जेडीयू के आठ दस विधायक तोड़कर तख्तापलट की तैयारी कर रहे थे। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र से पहले हुई विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने कहा था कि उन्हें सब मालूम है कि कौन विधायक किसके संपर्क में है और कौन सांसद किसके संपर्क में है। जब उन्हें आशंका हुई कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ही भाजपा विरोध के चलते लालू यादव के साथ मिल सकते हैं, तो ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटा कर खुद अध्यक्ष बन गए। जो लालू यादव 2022 में नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनवा रहे थे, 2023 में विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनवा रहे थे, वही लालू यादव पर्दे के पीछे से उनका तख्ता पलटने और इंडी एलायंस का संयोजक बनने के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट बने हुए थे। नीतीश कुमार ऐसा समझते हैं कि लालू यादव ने ही उनके खिलाफ ममता बनर्जी के कान भरे होंगे। ममता बनर्जी संयोजक पद के लिए उनके रास्ता का रोड़ा बन गई थी। 13 जनवरी को इंडी एलायंस की मीटिंग में दो प्रस्ताव पास होने थे, एक प्रस्ताव मल्लिकार्जुन खरगे को एलायंस का चेयरमेन बनाने का था, और दूसरा प्रस्ताव नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का था। राहुल गांधी ने नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा और सीताराम येचुरी ने समर्थन किया। लेकिन नीतीश कुमार ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए दो बातें कहीं थीं। पहली तो यह कि उनके नाम पर सर्व सम्मति नहीं है, और दूसरी बात उन्होंने कही कि लालू यादव को ही संयोजक बना दीजिए। दोनों ही बातों के पीछे उनकी आशंका यह थी कि लालू यादव और ममता बनर्जी में उनके खिलाफ खिचड़ी पकी है। ममता बनर्जी नाराज होकर बैठक में शामिल नहीं हुई थी, क्योंकि उन्होंने नीतीश कुमार के नाम पर एतराज किया था। ममता बनर्जी का तर्क यह बताया जा रहा है कि बिहार की राजनीति में चल रही कशमकश के चलते नीतीश कुमार कभी भी पलटी मार सकते हैं।

जबसे घोर भाजपा विरोधी ललन सिंह को जेडीयू के अध्यक्ष पद से हटाया गया है, तबसे नीतीश कुमार के कभी भी पलटी मारने की खबरें बिहार की हवा में हिचकोले खा रही हैं। ऊपर से अमित शाह का बयान आ गया कि नीतीश कुमार के साथ आने का प्रस्ताव आएगा, तो उस पर विचार किया जाएगा। अमित शाह ने पानी में कंकड़ फैंक दिया है। भाजपा के चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह ने खिड़की खोली है, तो क्यों खोली है। वह इसलिए क्योंकि बिहार में अपनी मौजूदा स्थिति को बनाए रखना भाजपा के लिए बहुत जरूरी है। जेडीयू के साथ बिहार में पिछली बार एनडीए 40 में से 39 सीटें जीता था। नीतीश कुमार के बिना 2014 में भाजपा ने 31 सीटें लड़कर 29.40 प्रतिशत वोट और 22 सीटें जीती थी, लेकिन उस समय बिहार में तिकोना मुकाबला हुआ था, जिसमें नीतीश कुमार की जेडीयू सिर्फ 2 सीटें जीत पाई थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में जेडीयू एनडीए में वापस आई तो भाजपा ने उसे समझौते में 1।7 सीटें लड़ने को दी थी, वहीं भाजपा 2014 की 31 सीटों के मुकाबले 2019 में सिर्फ 17 सीटें लड़ी, इसलिए उसका वोट 5 प्रतिशत गिर कर 23.58 प्रतिशत रह गया था। जेडीयू ने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से एक किशनगंज सीट वह कांग्रेस से हार गई।

जेडीयू को 2014 में अकेले चुनाव लड़ कर 15.80 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि राजद और कांग्रेस को 2019 में मिल कर चुनाव लड़ने पर 23.06 प्रतिशत वोट मिला। अगर राजद, जेडीयू और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ते हैं, तो जेडीयू के 2014 और कांग्रेस-राजद के 2019 के वोटों को जोड़ें तो गठबंधन को 38.86 प्रतिशत वोट मिल सकता है, जो भाजपा के लिए बहुत ही नुकसान दायक हो सकता है। हालांकि चुनाव में हमेशा दस जमा दस बीस नहीं होता। जेडीयू के ज्यादातर सांसद लालू यादव की पार्टी राजद के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ना चाहते, वे नीतीश कुमार पर दबाव बना रहे हैं कि मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ना फायदेमंद रहेगा। एक तो नीतीश कुमार की इंडी एलायंस से नाराजगी, दूसरे सांसदों का दबाव, यह भाजपा के लिए फायदे वाली स्थिति है। नीतीश कुमार ने ललन सिंह को हटा कर खिड़की खोली है, तो अमित शाह ने भी विचार करने की बात कहकर खिड़की खोली है। भाजपा ने खुद तीस सीटों पर चुनाव लड़ने और सहयोगियों को दस सीटें देने की रणनीति बनाई हुई थी, जिसमें से छह सीटें पासवान की दोनों पार्टियों को, तीन सीटें उपेन्द्र कुशवाहा को और एक सीट जीतन राम मांझी को देने की रणनीति थी।

अब अगर नीतीश कुमार भाजपा को अप्रोच करते हैं तो भाजपा के लिए उन्हें एडजेस्ट करना बहुत मुश्किल होगा। नीतीश कुमार के कभी भी पलट जाने की आशंका को देखते हुए भाजपा इस बार ज्यादा सख्ती से पेश आएगी, उसकी रणनीति इस तरह की होगी कि ज्यादा से ज्यादा सांसद भाजपा की टिकट पर जीत कर आएं। इसलिए भाजपा नीतीश कुमार को ज्यादा से ज्यादा सात सीटें देने की पेशकश करेगी, सात-आठ सीटों पर जेडीयू के सांसदों को भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ाने की पेशकश की जा सकती है। इसके साथ एक शर्त विधानसभा के चुनाव लोकसभा के साथ करवाने की भी होगी। लेकिन जैसे ही चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को अंदेशा हुआ कि नीतीश कुमार की भाजपा से कोई न कोई बात चल रही है, या वह पलटी मार सकते हैं, तबसे तीनों की धड़कने बढी हुई हैं। तीनों ही नीतीश कुमार के खिलाफ हैं।

विधानसभा में नीतीश कुमार को जमीन सुंघाने में चिराग पासवान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब अगर नीतीश एनडीए में शामिल होते हैं, तो वह एलएनजेपी के उम्मीदवारों को हराने में भूमिका निभाएंगे। इसी तरह उपेन्द्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी लड़ झगड़ कर नीतीश कुमार को छोड़कर एनडीए में आए हैं। अगर नीतीश कुमार एनडीए में आते हैं, तो ये तीनों दल इंडी एलायंस में जा सकते हैं। पिछले तीन दिनों में तीनों की दो मीटिंगे हुई हैं। यह तो एक संभावित परिदृश्य है, लेकिन अगर नीतीश कुमार को एनडीए में नहीं लिया जाता तो भारतीय जनता पार्टी जेडीयू में बड़ी सेंधमारी की वैकल्पिक रणनीति भी बना रही है। नीतीश कुमार की पतली हालत देख कर उनके कई सांसद खुद ही भाजपा में जाने का रास्ता खोज रहे हैं, और कुछ विधायक राजद में जाने का रास्ता खोज रहे हैं। अगर ऐसा होता है, तो नीतीश सरकार कभी भी गिर सकती है। अब इस में तो कोई शक नहीं कि बिहार में भविष्य की दो प्रमुख पार्टियां राजद और भाजपा होंगी। नीतीश कुमार की राजनीति सिकुड़ती जा रही है, अपनी राजनैतिक हैसियत बनाए रखने के लिए पहले उन्हें अपनी पार्टी को बचाना होगा। अगर उनकी पार्टी ही बिखर गई, तो उनकी राजनीतिक हैसियत ही खत्म हो जाएगी। अपनी पार्टी को टूटने से बचाने के लिए उनके पास एनडीए में वापस लौटने का भी एक विकल्प है, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हाथ धोना पड़ेगा। भाजपा इस बार सारे देश में अपनी कमजोर सीटों पर आयातित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा सीटें निकाली जा सकें। यह पहली बार हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने दूसरे दलों में सेंधमारी के लिए एक कमेटी का गठन किया है। चार सदस्यों की यह कमेटी विपक्ष के उन सांसदों को टटोलने का काम करेगी, जो भाजपा को चुनाव जिताने में सहायक हो सकते हैं, और अगर उन्हें चुनाव लड़वाया जाए, तो वे जीतने की स्थिति में हैं। ऐसी कमेटी बनाने का अर्थ यह निकलता है कि इंडी एलायंस बन जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी थोड़ा चिंतित है, और वह चुनाव जीतने की कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती। भारतीय जनता पार्टी के लिए सब से अहम चार राज्य हैं, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र। बिहार में पिछली बार जेडीयू की जीती हुई सीटों और बाकी तीनों राज्यों में पिछली बार विपक्ष की जीती हुई सीटों को टारगेट किया जाएगा। महाराष्ट्र मूल के विनोद तावड़े, कर्नाटक मूल के बीएल संतोष, हरियाणा मूल के भूपेन्द्र यादव और दलबदल करवाने में माहिर हेमंत बिस्व सरमा को कमेटी का सदस्य बनाया गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

भावनोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

ज्ञाता ही होता (हवन करने वाला), ज्ञान ही अर्घ्य एवं ज्ञेय (ज्ञातव्य तत्त्व) ही हविरूप है। ज्ञाता, ज्ञान एवं ज्ञेय को भेदरहित मानना ही श्रीचक्र का पूजन है। अणिमादि सिद्धियों (अणिमा, लघिमा, महिमा, ईशित्व, वशित्व, प्राकाम्य, भुक्ति, इच्छा, प्राप्ति और सर्वकाम मुक्ति) का सम्बन्ध नियति (प्रकृति निर्धारण) सहित श्रृंगार, वीर, करुण आदि नौ-रसों से है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य, पुण्य एवं पाप से युक्त ब्राह्मी आदि आठ शक्तियाँ हैं। पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश, कर्ण, त्वचा, नेत्र, जिह्वा, नासिका, वाणी, हाथ, पैर, मल-मूत्रेन्द्रियाँ तथा मन आदि विकार ही (मूल प्रकृति से उत्पन्न) षोडश शक्तियाँ हैं। वचन (बोलना), आदान (ग्रहण करना), गमन (गतिशील होना), विसर्ग (त्याग करना), आनन्द, हान (त्याज्य), उपेक्षा-बुद्धि एवं अनङ्ग-कुसुम आदि आठ शक्तियाँ हैं।

अलम्बुसा, कुहू, विश्वोदरी, वरुणा, हस्तिजिह्वा, यशस्विनी, अश्विनी, गान्धारी, पूषा, शंखिनी, सरस्वती, इड़ा, पिङ्गला, सुषुम्ना आदि चौदह नाड़ियाँ सर्वसंक्षोभिणी आदि चतुर्दशार देवता हैं। प्राण, अपान, उदान, समान, व्यान, नाग, कूर्म, कृकर, देवदत्त, धनञ्जय-ये दस प्राण सर्वसिद्धिप्रदा आदि देवियाँ बाह्य दशार देवता हैं। इन दस वायुओं के सम्पर्क एवं उपाधि भेद से रेचक, पूरक, शोषक, दाहक, प्लावक ये अमृतस्वरूप प्राण मुख्यतः पाँच प्रकार के हैं।

मानवों के मोहक एवं दाहक होते हुए चबाये जाने वाले, चाटे जाने वाले, चूसे जाने वाले तथा पिये जाने वाले इन चारों प्रकार के अन्नों को पचाते हैं। ये दस अग्नि की कलास्वरूप वायु ही सर्वज्ञत्व आदि अन्तः दशार देवता हैं। जाड़ा, गर्मी, सुख, दुःख, इच्छा, सत्त्व, रज, तम ही वशिनी आदि आठ शक्तियाँ हैं। शब्द, स्पर्श, रूप, रस एवं गन्ध आदि पञ्च तन्मात्राएँ ही पाँच पुष्पबाण हैं तथा मन ही ईख का बना हुआ धनुष है अर्थात् मन के द्वारा ये रूपादि पञ्चबाण बाहर फेंके जाते हैं। वश में होना ही बाण है, राग (प्रेम) ही पाश (बन्धन) है और द्वेष ही अंकुश है।

क्रमशः ...

पेंगुइन जागरूकता दिवस

पेंगुइन, आकर्षक उड़ान रहित पक्षी जो अपने शांत स्वभाव, मनमोहक डोलिंग और शानदार दिखावे से हमारे दिलों को लुभाते हैं, हर साल 20 जनवरी को पेंगुइन जागरूकता दिवस के लिए केंद्र में आते हैं। ये उल्लेखनीय जीव, जो अधिकतर दक्षिणी गोलार्ध में रहते हैं, अपनी आबादी कम होने के कारण एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहे हैं। जैसे-जैसे हम इस वर्ष के उत्सव के करीब पहुंच रहे हैं, इन प्यारे पक्षियों की दुर्दशा पर प्रकाश डालना और उनके अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना महत्वपूर्ण हो जाता है।

लगभग 20 अलग-अलग पेंगुइन प्रजातियाँ हमारे ग्रह की शोभा बढ़ाती हैं, जिनमें से प्रत्येक में अद्वितीय विशेषताएं हैं। सम्राट पेंगुइन, जो अपने

प्रभावशाली आकार के लिए जाने जाते हैं, अंटार्कटिक क्षेत्र को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के तटों पर पाए जाने वाले अपने छोटे समकक्षों के साथ साझा करते हैं। एनिमेटेड फिल्मों और कार्टूनों ने इन प्यारे पक्षियों को जीवंत कर दिया है, जिससे हमें उनकी आकर्षक दुनिया की झलक मिलती है।

जबकि बर्फीले परिदृश्यों में घूमते पेंगुइन की मनमोहक छवियां प्रतिष्ठित हो गई हैं, वास्तविकता गंभीर है। इन करिश्माई पक्षियों की आबादी लगातार कम हो रही है, जिससे संरक्षणवादियों और वन्यजीव उत्साही लोगों के बीच चिंताएं बढ़ रही हैं। इस गिरावट के पीछे मुख्य दोषियों में जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और उनके प्राकृतिक आवासों में परिवर्तन शामिल हैं। पेंगुइन जागरूकता दिवस की अवधारणा 1972 से चली आ रही है जब कैलिफ़ोर्निया के अलामोगोर्डो में रहने वाले गेरी वालेस ने अपनी पत्नी एलेटा के कैलेंडर पर इस कार्यक्रम को चिह्नित किया था। तब से, 20 जनवरी को पेंगुइन और उनके अस्तित्व के संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित किया गया है।

पेंगुइन जागरूकता दिवस मनाने का सबसे प्रभावी तरीका इन पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना है। उनकी आदतों, चुनौतियों और उनके आवासों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने से कारण के साथ गहरा संबंध बनता है। इसके अतिरिक्त, पेंगुइन-थीम वाली पार्टियों का आयोजन जानकारी साझा करने और जलवायु मुद्दों से निपटने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में काम कर सकता है। जागरूकता फैलाकर, संरक्षण प्रयासों का समर्थन करके और जलवायु परिवर्तन के बारे में चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल होकर, हम पेंगुइन के लिए बेहतर भविष्य बनाने में योगदान दे सकते हैं। अंत में, पेंगुइन जागरूकता दिवस हमारे ग्रह को साझा करने वाले विविध वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। आइए हम पेंगुइन की सुरक्षा के अपने प्रयासों में एकजुट हों और सुनिश्चित करें कि ये मनमोहक पक्षी आने वाली पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करते रहें है।

पाकिस्तान पर ईरान का हमला दोहरी नीति के लिए बड़ा सबक

संतोष पाठक

अपने देश में आतंकी घटनाओं से परेशान ईरान ने भी आखिरकार बड़ा फैसला लेते हुए पाकिस्तान में घुसकर आतंकी संगठन जैश अल-अदल के ठिकानों पर जोरदारी बमबारी की है। बताया जा रहा है कि ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले में बलोच आतंकी संगठन जैश अल अदल के दो प्रमुख मुख्यालय तबाह हो गए हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त पर हुए इस ईरानी हमले से पहले का घटनाक्रम भी काफी दिलचस्प है। पाकिस्तान में घुस कर आतंकी संगठन पर हमला करने से कुछ देर पहले ही दावोस में ईरान के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री काकर से मुलाकात की थी। इससे भी दिलचस्प तथ्य तो यह है कि ईरानी विदेश मंत्री से विदेशी धरती पर मुलाकात करने वाले पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री काकर अतीत में बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता रह चुके हैं, बाद में उन्होंने बलूचिस्तान अवामी पार्टी के नाम से अपना खुद का राजनीतिक दल भी बनाया और वह बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाइयों का समर्थन करते रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से यह भी अंदाजा हो जाता है कि दुनिया धीरे-धीरे पाकिस्तान के नेताओं की असली हैसियत को समझने लगी है कि पाकिस्तान में नेताओं की कोई हैसियत नहीं है, चाहे वो किसी भी पद पर बैठे हो। यहां तक कि शांति और अमन-चैन की बात करने वाली पाकिस्तान की सिविल सोसायटी भी अब धीरे/धीरे बेनकाब होती जा रही है। आखिर यह खेल कब तक चल सकता है कि जिस पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आतंकवादियों को पनाह देकर, उन्हें पाल पोस कर

दुनियाभर के देशों के बेगुनाह नागरिकों को मरवायें और वहां के राजनीतिक हुक्मरान और सिविल सोसायटी के लोग शांति और अमन-चैन का राग अलापते रहे। पाकिस्तान की यह दोहरी नीति अब बेनकाब होती जा रही है। पाकिस्तान को हथियार, सैन्य साजो-सामान और अरबों डॉलर की मदद देकर पाकिस्तान को दुनियाभर में आतंक फैलाने का ट्रेनिंग सेंटर बनाने वाला अमेरिका तो बहुत पहले से ही पाकिस्तान की दोहरी फितरत को समझता था इसलिए उसने बातचीत और शांति के झांसे में आए बिना पाकिस्तान के ऐबटाबाद में हमला बोलकर आतंकी संगठन अल कायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन को मार गिराया। पाकिस्तान की सेना, सरकार और वहां की सिविल सोसायटी इस अमेरिकी हमले पर बिलबिलाकर रह गई लेकिन कुछ कर नहीं पाई क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए पाकिस्तान के लोगों की असलियत जानती है।

भारत में भी पिछली कई सरकारें कभी जानबूझकर तो कभी अनजाने में पाकिस्तान के इस ट्रैप में फंसती रही थी। भारत एक तरफ जहां पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों के हमले को झेल रहा था तो वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में शांति का राग अलापने वाली तथाकथित सिविल सोसायटी और नेताओं के झांसे में फंसकर शांति की बातचीत भी कर लिया करता था और भारत में जब भी कोई बड़ा आतंकी हमला होता था तो ये पल्ला झाड़ते हुए सांत्वना देते थे कि बातचीत से ही आतंकवाद का समाधान हो सकता है।

लेकिन नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के इस दोहरे चरित्र को अच्छे से समझते थे इसलिए 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने पाकिस्तान के झांसे में आना बंद कर दिया। वर्ष 2016 में हुए उरी आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के बातचीत के झांसे में आए बिना 10 दिन के अंदर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अपनी सेना भेजकर, सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकी संगठन और पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया। लेकिन अपनी आदत से लाचार पाकिस्तान ने जब 2019 में फिर से पुलवामा में आतंकी हमला करवाया तो भारत ने फिर पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकाने पर एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया को यह बता दिया कि अब भारत जवाब देगा,घर में घुसकर मारेगा और उस दिन के बाद से अब तक भारत में कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरानी हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए यह साफ तौर पर कहा कि, ये ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है,आतंकवाद को लेकर हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। हम इस बात को समझते हैं कि कई देश आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हैं।

अमेरिका और भारत के बाद अब ईरान ने भी पाकिस्तान में घुसकर यह साबित कर दिया है कि आतंकवादियों को ढाल बनाकर लड़ने वाली पाकिस्तानी सेना कितनी कमजोर है और अब फैसला पाकिस्तान की अवाम को, वहां की सिविल सोसायटी को और राजनीतिक दलों के नेताओं को करना ही होगा कि आखिर वह आतंकवाद को पनाह देने के मामले में कब तक चुप रहेंगे ? इन तमाम लोगों को अब दुनियाभर को शांति और अमन-चैन का झूठा पैगाम देने की बजाय अपनी सेना को न केवल यह पैगाम देना होगा बल्कि उन्हें मानने पर भी मजबूर करना पड़ेगा नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब दुनिया पाकिस्तान को आतंकिस्तान का आधिकारिक नाम दे देगी और आतंकी घटना का सामना करने वाला हर देश पाकिस्तान में घुसकर पाकिस्तान को मारता रहेगा

आज का इतिहास

1930 चांद पर बज एल्ड्रिन ने कदम रखा, वह चांद पर जाने वाले दूसरे इंसान थे।

1938 काहिरा की रानी फरीदा से मिस्र के राजा फारूक सफिनज जुलफीसर ने शादी की।

1945 फ्रैंकलीन डी. रूजवेल्ट चौथी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने।

1945 द्वितीय विश्व युद्ध-जर्मनी ने पूर्वी प्रशिया से 1.8 मिलियन लोगों की निकासी शुरू की, एक ऑपरेशन जिसे पूरा होने में लगभग दो महीने लगे।

1946 फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डी गौले ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

1946 फ्रांसीसी चौथे गणराज्य के लिए संविधान के मसौदे की तुलना में मजबूत कार्यकारी शक्ति के अनुकूल, चार्ल्स डी गॉल ने अनंतिम सरकार के अध्यक्ष के रूप में इस्तीफा दे दिया।

1958 अंटार्कटिक को पार करने के मिशन के साथ खोजी दल साउथ पोल पर मिला था। यह अंटार्कटिक को सतह से पार करने का पहला प्रयास था।

1965 लिंडन बी जॉनसन को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई।

1968 ह्यूस्टन कैगर ने यूसीएलए ब्रुइन्स को %गेम ऑफ द सेंचुरी% के रूप में जाना, ब्रूस की 47-गेम जीतने वाली लकीर को समाप्त किया और अमेरिकी बास्केटबॉल को खेल की वस्तु के रूप में कॉलेज बास्केटबॉल की स्थापना के लिए परेशान किया।

1969 रिचर्ड निक्सन को संयुक्त राज्य अमेरिका के 37 वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई।

1974 जनरल डायनेमिक्स एफ -16 फाइटिंग फाल्कन कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस में अपनी पहली उड़ान भरी।

1988 पश्तून की आजादी के सबसे बड़े कार्यकर्ता और सीमांत गांधी कहे जाने वाले अब्दुल गफ्फार खान का निधन हुआ।

1990 सोवियत लाल सेना ने हिंसक रूप से बाकू, अजरबैजान स्स्र में आज़ादी समर्थक प्रदर्शनों पर जमकर प्रहार किया।

1992 एयर इंटर फ्लाइट 148 फ्रांस के स्ट्रासबर्ग हवाई अड्डे के पास स्ट्रासबर्ग हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान साइकिल चलाते हुए वोसर्ज पर्वत पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप 87 लोगों की मौत हो गई।

मायावती का 'एकला' चलो का राग

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी दलों का मोर्चा बनाने की कोशिशों में जुटी कथित सांप्रदायिकता विरोधी वैचारिकी और राजनीति को मायावती से बड़ा झटका लगा है। अपने 68वें जन्मदिन पर मायावती ने विपक्षी खेमे को निराश करते हुए साफ कर दिया कि आगामी चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कोई गठबंधन नहीं करेगी। इस कदम से मायावती जहां वाम वैचारिकी केंद्रित बौद्धिकता के निशाने पर आ गयी हैं, वहीं राष्ट्रवादी खेमे में राहत का भाव देखा जा रहा है। एक तीसरा वर्ग भी है, जो इस फैसले को चकित होकर देख रहा है। वाम वैचारिकी का तर्क है कि मायावती दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआइ से डर गयी हैं, क्योंकि इन मजबूत हथियारों का नियंत्रण भाजपा सरकार के हाथ में है। माया विरोधियों का तर्क है कि उनके अकेले चुनाव लड़ने से भाजपा को ही फायदा होगा। मीडिया और चुनाव विश्लेषकों की आदत होती है कि वे भावी चुनावों का आकलन अतीत के चुनावों में मतदाताओं के रुख के लिहाज से करते हैं। फिर वे जिस दल के समर्थक या विरोधी होते हैं, उसके पक्ष या विपक्ष में आंकड़ों का विश्लेषण कर डालते हैं।

चूंकि विश्लेषक भी मानव हैं और मानवोचित स्वभाव उनकी भी मजबूरी है, इसलिए ऐसे विश्लेषण होते स्वाभाविक भी हैं। विश्लेषण करते वक्त भारतीय समाज के बहुविध आधार, स्थानीय चुनौतियां और राष्ट्रीय स्तर के माहौल का भी ध्यान रखना चाहिए। कुछ हालिया चुनावों से अगर खबरों की दुनिया के बादशाहों का विश्लेषण और आकलन चूक रहा है, तो इसकी बड़ी वजह उनका आग्रह और लकीर पर चलती उनकी सोच है। मायावती के कदम से भाजपा को ही फायदा होगा और विपक्षी गठबंधन को नुकसान होगा, जैसी सोच भी इसी पारंपरिक सोच का ही नतीजा है। माया के साथ आने से इंडिया गठबंधन को फायदा होगा या नुकसान, इसका विश्लेषण करने के पहले बसपा के कुछ चुनाव नतीजों की ओर ध्यान देना जरूरी है। बसपा को गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली। तब समाजवादी पार्टी और बसपा का गठबंधन सत्ता में आया, लेकिन भाजपा का वोट प्रतिशत 1991 की तुलना में लगभग दो प्रतिशत ज्यादा हो गया था।

दिलचस्प यह है कि उस चुनाव में भाजपा के सिर्फ 20 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी, जबकि उसके पिछले चुनाव में 41 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार जमानत नहीं बचा सके थे। साल 1993 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को 109 और बसपा को 67 सीटें मिली थीं। समाजवादी पार्टी को 17।9 और बसपा को 11।12 प्रतिशत वोट मिले थे। तब दोनों पार्टियों के वोट एक-दूसरे को मिले हुए थे। इसी की वजह से राम लहर के बावजूद भाजपा को हार मिली थी। उस जीत ने एक संदेश दिया कि अगर दोनों दल एक-दूसरे से मिलें, तो उनके वोट ट्रांसफर होंगे और भाजपा को अलग रखा जा सकता है। इसके बाद बसपा का कभी कांग्रेस से, तो कभी समाजवादी पार्टी से गठबंधन रहा। साल 1989 के आम चुनाव में छोटे-छोटे दलों के सहयोग से जनता दल ने सरकार बनाने में कामयाबी हासिल की थी। इसके बाद भारतीय राजनीति ने एक सिद्धांत गढ़ा कि गठबंधन की राजनीति के दिन आ गये। उसकी ही उपज बसपा भी रही। साल 1996 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ बसपा ने गठबंधन किया। उसमें बसपा को ज्यादा फायदा हुआ और वह आगे बढ़ती रही। वह 2007 में तो खुद के दम पर बहुमत हासिल करने में कामयाब रही। लेकिन बाद के दिनों में बसपा की स्थिति बेहतर नहीं रह पायी। साल 2014 में मोदी लहर के दौरान बसपा उत्तर प्रदेश में एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत सकी। इसका नतीजा यह हुआ कि 2019 में मायावती और अखिलेश यादव ने मिलकर चुनाव लड़ा। इस गठबंधन ने राज्य की 15 सीटें जीत लीं, जिसमें से दस बसपा को मिलीं।

इन आंकड़ों से एक बात स्पष्ट है कि बसपा ने जब भी गठबंधन किया, तो उसमें खुद को मजबूत स्थिति में रखा। साल 1993 का चुनाव अपवाद है। बाकी हर बार बहुजन समाज पार्टी ने गठबंधन करते वक्त यह ध्यान में रखा कि वह आगे रहे और उसकी मर्जी चले। इसका उदाहरण 2019 का आम चुनाव भी है, जिसमें उसे समाजवादी पार्टी की तुलना में आसान सीटें मिलीं। सवाल है कि इंडिया गठबंधन में यदि मायावती जाती हैं, तो क्या उन्हें इस बार फिर पिछली बार की तरह तवज्जो मिलेगी। इस प्रश्न का जवाब निश्चित तौर पर ना में है। साल 1995 के गेस्ट हाउस कांड के बाद से मायावती ने एक सबक लिया है कि खुद को आगे और ताकतवर रखना चाहिए। विपक्षी गठबंधन के साथ अगर वह जातीं, तो निश्चित तौर पर उन्हें केंद्रीय राजनीति में भाजपा विरोधी ताकतों की धुरी बनी कांग्रेस के साथ-साथ संभवतः समाजवादी पार्टी की भी बात सुननी पड़ती।

मायावती अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जातीं हैं, तो उत्तर प्रदेश को अपना गढ़ बना चुकी भाजपा के सामने भी उनकी नहीं चलती। इसीलिए माया ने एकला चलो रे का राग अलापा है। उनकी कोशिश कम से कम उस बहुजन वोट बैंक पर अपना कब्जा बरकरार रखना है, जिसकी बुनियाद पर उनकी राजनीति आगे बढ़ती रही है। माया की शायद सोच यह है कि अगर यह बुनियाद बची रही, तो उनकी आगे की राजनीति टिकी रह सकती है तथा उनका स्वतंत्र अस्तित्व बना रह सकता है। लेकिन अगर वह मौजूदा हालात में किसी भी गठबंधन के साथ जाती हैं, तो उन्हें उस गठबंधन की ताकतवर राजनीतिक पार्टियों का पिछलग्गू बनना पड़ सकता है। मौजूदा बसपा नेतृत्व को यह स्वीकार्य नहीं है। यही वजह है कि मायावती अपने अलग रुख पर कायम हैं। फिर उनकी कोशिश कम से कम उत्तर प्रदेश में अपने दल को दूसरे स्थान पर लाने की है। मुलायम सिंह के न रहने से उन्हें शायद उम्मीद भी है कि समाजवादी पार्टी के बरक्स उन्हें गैर-भाजपा वोट बैंक का सहारा मिल सकता है। वजह चाहे जो भी हो, मायावती के इस कदम ने उनके आलोचकों को जैसे मौका मुहैया करा दिया है। भाजपा को परोक्ष समर्थन का आरोप इसी वजह से लगाया जा रहा है। अगर माया का यह दांव कामयाब रहा और अगले लोकसभा चुनाव में वे अपने दम पर कुछ सीटें ला पाती हैं, तो उनके आलोचकों का मुंह बंद हो सकता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो आलोचकों के हथियार और पैने हो जायेंगे।

इंडिया गठबंधन की बढ़ती मुश्किलें

प्राण प्रतिष्ठा पर फिर धारा के विपरीत

अवधेश कुमार

चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की घोषणा भले अभी दो महीने बाद करेगा, पर देश की पूरी राजनीति इसके इर्द-गिर्द घूम रही है। इस समय राष्ट्रीय स्तर पर दो प्रमुख समूह भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग तथा 'इंडिया' गठबंधन हैं। इन दो प्रमुख समूहों की स्थिति के आकलन से लोकसभा चुनाव की अस्पष्ट ही सही, लेकिन तस्वीर जरूर बन जाती है। भाजपा ने कहा है कि वह 2024 में 50 फीसदी वोट का लक्ष्य लेकर बढ़ रही है। जबकि, 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण ठुकराकर समय की धारा को फिर न पहचानने का प्रमाण दिया है। खुद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा निमंत्रण ठुकराने पर दुख भी प्रकट कर दिया है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता तथा उनके नेतृत्व में भाजपा के सत्ता में आने का मूल कारण ही हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रीय चेतना तथा भारत को अपनी पहचान के साथ विश्व के उच्चतम शिखर पर देखने का जनता के अंदर पैदा हुआ प्रबल भाव ही था। 2004 में सत्ता में आने पर यूपीए अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी के प्रभाव में चलने वाली मनमोहन सिंह सरकार ने स्वयं को सेक्यूलर साबित करने के लिए सच्चर आयोग से लेकर अल्पसंख्यक मंत्रालय का गठन तथा रामसेतु और राम को कल्पना का विषय न्यायालय में बताकर अपनी स्थिति धीरे-धीरे कमजोर करनी शुरू कर दी थी। सत्ता से बाहर होने के बावजूद कांग्रेस, जिसका वास्तविक नेतृत्व सोनिया गांधी और राहुल गांधी के हाथों में दिखता है, प्रकारांतर से इस नीति को आगे बढ़ा रही है। एक ओर देश का राममय वातावरण और दूसरी ओर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तुलना करें, तो दिख जाएगा कि विचार के स्तर पर बिल्कुल दो धाराएं देश में बन चुकी हैं। 'इंडिया' गठबंधन अब तक एक इकाई नहीं बन सका है, जिसका प्रमाण बीती 12 जनवरी को आयोजित इसकी बैठक में भी मिला, जिसमें गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुए। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अंदर कोई विभाजन नहीं है। चुनाव में नेतृत्व का चेहरा अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। नरेंद्र मोदी के समानांतर विपक्ष में कोई नेता नहीं, जिसे जनता उनके समक्ष या बड़ा मान सके। 'इंडिया' गठबंधन में नेतृत्व को लेकर व्यापक मतभेद हैं, क्योंकि अनेक नेताओं की महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी तीसरी पारी में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक वैश्विक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। वहीं, विपक्ष मोदी, संघ और भाजपा विरोध की नीतियों तक सीमित है। विपक्षी नेताओं ने जिस तरह सनातन और हिंदुत्व से लेकर उत्तर के राज्यों को गोमूत्र की संज्ञा देने तथा उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन पैदा करने संबंधी बयान दिए हैं, उनसे देश के बहुमत में जो नाराजगी पैदा हुई है, उसे संतुलित करने के लिए जितने बड़े मुद्दे और जैसे चेहरे चाहिए, विपक्ष में उनका नितांत अभाव है। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में विजय से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 2019 से बेहतर प्रदर्शन करेगी। 2019 में भाजपा द्वारा जीती गई 303 लोकसभा सीटों में तेलंगाना से चार मिली थी, हालांकि तेलंगाना के इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पिछली बार की तुलना में ज्यादा सीटें मिली हैं। कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 51.38 फीसदी वोट तथा 25 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस के पास मात्र एक सीट थी। भाजपा के लिए अच्छी बात यह है कि 2023 विधानसभा चुनाव में यहां उसकी सीटें घटी, वोट नहीं।

उद्घाटन के समय दक्षिण भारत क्यों घूम रहे मोदी

अमित शर्मा

केवल पांच दिन बाद अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का उद्घाटन होना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण भारत के भ्रमण पर हैं। पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश के वीरभद्र मंदिर में दर्शन किया। बाद में वहां बैठकर उन्होंने राम भजन भी किया। 17 जनवरी को उन्होंने केरल के गुरुवायूर में कृष्ण मंदिर में पूजा की। इसके बाद वे कर्नाटक और महाराष्ट्र भी जाने वाले हैं। अंतिम में उत्तर प्रदेश में आकर वे राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यानी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे दक्षिण भारत से लेकर पश्चिम तक देश के विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर चुके होंगे। दक्षिण में विस्तार की भाजपा की अब तक की सभी कोशिशें सीमित असर ही दिखा सकी हैं। लेकिन माना जा रहा है कि दक्षिण का जो किला भाजपा अभी तक नहीं भेद पाई थी, वह राम मंदिर के मुद्दे के सहारे भेद सकती है। दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के दर्शन कर मोदी वहां भी राम मंदिर और उसके निर्माण में भाजपा की भूमिका को घर-घर तक पहुंचाने में कामयाब हो रहे हैं। तेलंगाना प्रेस क्लब के अध्यक्ष बालास्वामी ने अमर उजाला से कहा कि अब तक दक्षिण भारत के लोगों की राजनीतिक चर्चा के केंद्र में द्रविड़ राजनीति होती थी या यहां की पॉपुलर पॉलिटिक्स लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती थी। लेकिन मोदी-शाह की कोशिशों के बाद अब भाजपा और राम मंदिर आम लोगों के बीच चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। इसके लिए राम मंदिर आंदोलन, मंदिर निर्माण में भाजपा की कोशिशों की प्रमुख भूमिका है। मोदी का मंदिरों में घूमना भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। यह कोशिश तात्कालिक चुनाव में भले ही बहुत असर न दिखा सके, लेकिन आने वाले समय में इससे भाजपा को लाभ मिल सकता है। ध्यान रखना चाहिए कि उत्तर भारत में राम मंदिर का मुद्दा होने के बाद भी भाजपा को अचानक ही सफलता नहीं मिल गई थी। इसके लिए उसे लगभग तीन दशक तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस हिसाब से देखें तो मान सकते हैं कि लंबी राजनीति को ध्यान में रखते हुए राम मंदिर का मुद्दा लंबे समय में असर दिखा सकता है और भाजपा को इसका लाभ हो सकता है। हालांकि, इसके लिए पार्टी को लगातार कोशिशें करनी होंगी। मोदी का मंदिर दर्शन और पार्टी द्वारा देश के विभिन्न राज्यों से लोगों को अयोध्या का दर्शन कराने की योजना इसका हिस्सा हो सकती हैं।

एयर स्ट्राइक के बाद पाक देख रहा चीन की ओर!

आशीष तिवारी

पाकिस्तान के भीतर घुस कर ईरान की सेना ने उग्रवादी समूह जैश-अल-अदल के ठिकानों पर हवाई हमला कर दिया। इस हमले के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। जानकारी के मुताबिक जिस हिस्से में ईरान ने एयर स्ट्राइक की है, वहां पर चीन और पाकिस्तान मिलकर कई प्रोजेक्ट बना रहे हैं। हालांकि इस हमले का सीधा असर इन प्रोजेक्ट पर भी पड़ा है। यही वजह है कि अब पाकिस्तान अपने ऊपर हुए हमले का बदला लेने के लिए चीन की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है। रक्षा मामलों के जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान भले ही चीन से कितनी उम्मीदें लगाए, लेकिन इस मामले में चीन उसकी बिल्कुल मदद नहीं करने वाला। फिलहाल पाकिस्तान में सेना के रिटायर्ड अधिकारियों से लेकर स्थानीय लोग पाकिस्तान की सेना और सरकार पर सवालिया निशान उठाने लगे हैं।

ईरान की सेना ने मंगलवार को पाकिस्तान में बलोच उग्रवादी समूह जैश अल-अदल के दो प्रमुख ठिकानों पर हवाई हमला किया। इराक और सीरिया में हवाई हमलों के एक दिन बाद ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पाकिस्तान में घुसकर एयरस्ट्राइक की। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि बलोच उग्रवादी समूह के दो प्रमुख ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया गया और उन्हें तबाह कर दिया गया। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने ईरान को धमकी देकर बड़े परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। रक्षा मामलों के जानकार ब्रिगेडियर (रि.) दीपक आहूजा कहते हैं कि पाकिस्तान ने धमकी भले दी हो, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकलने वाला। इसके पीछे वह तर्क देते हुए कहते हैं कि ईरान ने पहले ही पाकिस्तान को कई बार आधिकारिक तौर पर आतंकी संगठनों की बॉर्डर पर सक्रिय होने की सूचना साझा की थी। वह कहते हैं कि जैश-अल-अदल ने हाल में ही ईरान के भीतर 11 पुलिस कर्मियों की एक हमले में हत्या कर जिम्मेदारी ली थी। उसके बाद ईरान लगातार पाकिस्तान पर ऐसे उग्रवादी कैंपों को नष्ट करने का दबाव बना रहा था।

दरअसल हमले के बाद पाकिस्तान के भीतर आवाज उठ रही है कि चीन को भी इस मामले में मदद करनी चाहिए। रक्षा मामलों के जानकार कैप्टन (रि.) सुरेंद्र रंधावा कहते हैं कि यह बात बिल्कुल सच है कि पाकिस्तान इस एयर स्ट्राइक के बाद चीन से ईरान पर कार्रवाई करने के लिए अंदरूनी तौर पर मदद मांगेगा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मामलों को ध्यान में रखते हुए चीन किसी भी तरह से पाकिस्तान की मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसकी वजह बताते हुए उनका कहना है कि दो साल पहले ही चीन और ईरान ने 25 वर्षीय संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच बीते एक दशक के दौरान तकरीबन पांच सौ मिलियन डॉलर के व्यापार का समझौता हुआ है, जो कि लगातार अलग-अलग संधियों के माध्यम से बढ़ते जा रहे हैं। वह कहते हैं कि चीन के नेशनल पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की ओर से ईरान के अलग-अलग हिस्सों में नैचुरल गैस के लिए करार किया है। इसके अलावा चीन का ड्रीम प्रोजेक्ट वन बेल्ट वन रोड भी ईरान से कनेक्ट हो रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक प्रताप सिंह कहते हैं कि चीन के लिए जितना महत्वपूर्ण पाकिस्तान है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ईरान भी है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के ऊपर ईरान की हुई एयर स्ट्राइक में चीन बिल्कुल दखल नहीं देने वाला। चीन ने ईरान में अरबों डॉलर का निवेश कर वहां के नैचुरल रिसोर्सेज के साथ-साथ तेल और अन्य संसाधनों में भारी निवेश किया है। जबकि पाकिस्तान में भी चीन ने इसी तरह का निवेश किया है। लेकिन भौगोलिक दृष्टिकोण से चीन के लिए ईरान हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है। अभिषेक कहते हैं कि ईरान और अरब देशों की मित्रता में चीन का बड़ा योगदान रहा है। पाकिस्तान के भीतर आवाज उठ रही है कि ईरान के ऊपर बदले की कार्रवाई में चीन किसी तरीके की बड़ी मदद करेगा, ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि यह जरूर है कि चीन, ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर इस मामले को सुलझवाने में भले कोई मदद करे, लेकिन पाकिस्तान के ऊपर हुए हमले में बदले की कार्रवाई सेना पाकिस्तान का साथ नहीं देने वाला। उनका कहना है कि चीन हमेशा से अपने फायदे के लिए ही पाकिस्तान का इस्तेमाल करता आया है।

विदेशी मामलों के जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान के ऊपर ईरान के इस हमले का असर विदेश से मिलने वाली वित्तीय मदद पर भी पड़ने वाला है। इंटरनेशनल इकॉनमिक फोरम के सदस्य पीके दत्त कहते हैं कि यह पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान के ऊपर इस तरीके की सर्जिकल स्ट्राइक हुई है। उनका कहना है आईएमएफ जैसी संस्थाएं भी उन्हीं देशों के लिए फंड रिलीज करती हैं, जिनकी छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके बनाए मानकों को पूरा करती हो। दत्त कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकियों के ठिकाने देने और फिर उसके बाद उनके ऊपर किए जाने वाली एयर स्ट्राइक इस बात की तस्दीक करते हैं कि ऐसे मुल्कों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। क्योंकि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही बेहद लचर है। ऊपर से ईरान की ओर से की गई एयर स्ट्राइक यह बताती है कि आतंकियों को पाकिस्तान पनाह दे रहा है, जिससे उसके देश में अस्थिरता बन रही है। इन दशाओं में आईएमएफ समेत दुनिया की प्रमुख एजेंसी वित्तीय तौर पर मदद करने में हाथ पीछे खींच लेती हैं। इसलिए पाकिस्तान पर हुई एयर स्ट्राइक से उसकी वित्तीय स्थिति भी बिगड़ने वाली है।

रामराज्य के सपने को साकार करने के लिए प्रयासरत मोदी-योगी

दीपक कुमार त्यागी

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के स्वागत के लिए पावन अयोध्या धाम में दिव्य व भव्य दीपावली मनाने की जबरदस्त तैयारी चल रही है, पूरा देश मोदी-योगी के प्रयासों से राममय होता जा रहा है, मोदी-योगी की जोड़ी अयोध्या में विश्वस्तरीय विकास की नित-नई इबारत लिख रहे हैं, जिससे पिछले कुछ वर्षों से अयोध्या धाम देश व दुनिया में चर्चाओं में छाया हुआ है। हालांकि जब से उत्तर प्रदेश की धार्मिक व ऐतिहासिक पावन नगरी अयोध्या में भगवान श्री राम के अद्भुत दिव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, तब से ही देश व दुनिया में बहुत बड़े पैमाने पर रामराज्य के बारे में विस्तार से चर्चा होने लगी है। देश व दुनिया के लोग आज भी रामराज्य के साथ प्रभु श्री राम के जीवन के हर पहलू को जानने के लिए बेहद उत्सुक हैं, वह प्रभु श्री राम के राज्य की अच्छाईयों को देख देश में रामराज्य की पूरी कल्पना को धरातल पर बहुत ही तेजी से साकार होते देखना चाहते हैं। वैसे भी देखा जाए तो हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए रामराज्य की अवधारणा केवल शासक के कर्तव्यों का एक उत्कृष्ट मानदंड वाला विचार मात्र नहीं है, बल्कि यह देश व दुनिया में शासन करने की एक ऐसी श्रेष्ठ व्यवस्था है, जिसमें सभी लोगों का जीवन सिद्धांतों से परिपूर्ण धर्म व न्याय संगत होते हुए, सत्य, अहिंसा, श्रेष्ठ विचार, त्याग की भावना, दया, दान, वचन और न्याय आदि पर आधारित होता है। रामराज्य में शासक व प्रजा दोनों ही पक्ष देश व समाज के प्रति अपने-अपने कर्तव्यों का हर हाल में बखूबी से निर्वहन करते हुए जिम्मेदारियों का अक्षरशः पालन करते हैं, तब ही देश में रामराज्य का सपना धरातल पर साकार होता हुआ नजर आ पायेगा। हालांकि देश में अभी यह बहुत दूर की कौड़ी है लेकिन फिर भी आम जनमानस के बड़े वर्ग का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामराज्य की अवधारणा की मजबूत नींव रखने की शुरुआत 22 जनवरी 2024 को अयोध्या से कर रहे हैं, जिसके लिए देश में बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही हैं और पूरा देश राममय हो चला है।

वैसे जब से दुनिया हम सभी के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम में भव्य दिव्य आलौकिक मंदिर बनाता हुआ देख रही है, तब से ही देश का आम जनमानस दिन-प्रतिदिन राममय होते नजर आ रहा है। हालांकि अब चंद दिनों के इंतजार के बाद आम जनमानस 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि की पावन धरा पर प्रभु श्री राम को पूरी दिव्यता के साथ विराजमान होता देखने का कार्य करेगी, उसके चलते ही भारत की जनता इस वक्त 22 जनवरी 2024 की उस राममय पावन घड़ी का इंतजार कर रही है, जब सारी दुनिया के पालनहार प्रभु श्री राम जन्मस्थली पर बने भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद दिव्य आलौकिक स्वरूप में विराजमान होंगे। हालांकि इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के चलते ही वर्ष 2024 हमेशा के लिए दुनिया के इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो जायेगा?। वैसे देखा जाए तो सनातन धर्म व संस्कृति को मानने वाले देश व दुनिया के करोड़ों राम भक्तों का जो सपना देश की आज़ादी के साथ ही पूरा हो जाना चाहिए था, आज वह सपना बहुत सारी बाधाएं हटाने के बाद देश की आज़ादी के 76 वर्षों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में धरातल पर साकार होता नज़र आ रहा है। लेकिन राम मंदिर के निर्माण के इस सपने के साथ ही क्या वास्तव में देश में रामराज्य की स्थापना की अवधारणा धरातल पर साकार होनी शुरू हो पायेगी, यह सवाल अब लोगों के मन में घूमना शुरू हो गया है। क्योंकि देश के आम जनमानस के सामने रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा व सुरक्षा का सवाल दशकों से जस-का-तस खड़ा हुआ है। जिसको पूरा किये बना रामराज्य का सपना साकार होना संभव नहीं है, हालांकि यह सपना सरकार, पूरे सरकारी सिस्टम व आम जनमानस सभी की पूरी ईमानदारी से की गई मेहनत व श्रेष्ठ आचरण के बिना संभव नहीं है। लेकिन फिर भी देश में आम जनमानस के एक बड़े वर्ग को यह संतोष है कि कम से कम देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चलते व उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चलते अब तेजी के साथ जनहित के विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन स्तर कुछ बेहतर अवश्य हो रहा है और सबसे अहम बात यह है कि योगी आदित्यनाथ के राज में उत्तर प्रदेश में तो राक्षसी प्रवृत्ति के दुष्ट लोगों का चुन चुन कर दमन हो रहा है, जो कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में रामराज्य की अवधारणा को धरातल पर अमलीजामा पहनाने की एक बहुत ही अच्छी शुरुआत है। आज देश के बहुत सारे लोगों को लगता है कि मोदी-योगी की जोड़ी के कार्यों से देश विकास व धर्म दोनों के पथ पर तेजी से अग्रसर है और उनके चलते ही अब देश बहुत ही तेजी के साथ राममय होता जा रहा है।

वैसे भी दुनिया में सबसे प्राचीन गौरवशाली सनातन धर्म संस्कृति के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के द्वारा किये गये शासन को बेहद आदर्श शासन के रूप में माना जाता है, इसलिए ही वह काल दुनिया में रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। रामराज्य के शासन काल में लोगों के आचरण मर्यादा लोक व्यवहार जीवनशैली की उत्कृष्टता को देखें तो रामराज्य दुनिया के सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के प्रतीक के तौर आज भी सर्वश्रेष्ठ साबित होता है। जिस रामकुमार का राज तिलक होना था, वह पिता के दिये वचन के चलते ही अगले ही क्षण राज की सुख सुविधाओं का मोह त्याग के 14 वर्ष के लंबे वनवास पर चला गया और पूरा जीवन मर्यादित ढंग से व्यतीत किया। जिसके चलते ही आज लोकतांत्रिक व्यवस्था के इस दौर में भी लोगों की आस है कि हमारे प्यारे देश में रामराज्य जैसा राज ही हो, सभी देशवासी पीड़ा से मुक्त हों, सभी लोगों का कल्याण हो, कोई भी व्यक्ति दीन, दुखी, दरिद्र ना रहे, देश का प्रत्येक नागरिक शिक्षित, संपन्न, खुशहाल हो और सभी लोग श्रेष्ठ आचरण से युक्त हो, हर एक व्यक्ति दुर्व्यसनों से मुक्त हों।

आज लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति की इच्छा है कि प्रत्येक भारतवासी सरकार व सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली से खुश हो। प्रत्येक व्यक्ति को उसका तय मान-सम्मान मिले और कर्म के अनुसार उचित प्रतिफल मिले। लोगों को देश में तेजी से न्याय मिले। न्याय और धर्म की कसौटी पर सरकार, सिस्टम और आम प्रजा के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे। आज देश में ऐसे ही सुशासन वाले रामराज्य को आम जनमानस चाहता है, वैसे भी रामराज्य की अवधारणा का मूल सार है कि देश में हर तरफ खुशहाली, अमन-चैन कायम रहे, लोग आपस में मिलजुलकर रहें, देश में सुराज और सुशासन की पताका हर हाल लहराती रहे, देश तेजी से विकास के पथ पर गतिमान रहे और जल्द ही विकसित देशों की श्रेणी में आये, जनता का कल्याण हो तब ही देश में वास्तव में रामराज्य का सपना साकार होगा और देश पूरी तरह से राममय होकर के विश्वगुरु बनेगा।

चेहरे पर झुर्रियों के लिए कोलेजन बूस्टिंग क्रीम नहीं इन फूड्स को करें डाइट में शामिल

आजकल स्किन को यंग और रिंकलफ्री बनाने के लिए कोलेजन का इस्तेमाल काफी ज्यादा बढ़ गया है। चेहरे पर लगाने के लिए कई तरह के क्रीम और सीरम मिलते हैं। तो वहीं कोलेजन बूस्टिंग पाउडर और कैप्सूल भी मार्केट में मिल जाती है।

लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से यंग दिखना चाहते हैं। स्किन पर झुर्रियां ना नजर आएं इसके लिए इन फूड्स को डेली रूटी में शामिल करने से नेचुरल तरीके से स्किन का कोलेजन बढ़ जाता है।

क्या है कोलेजन

कोलेजन एक तरह का प्रोटीन होता है। जो की 3 तरह का होता है। पहला कोलेजन का टाइप स्किन में इलास्टिसी बढ़ाता है तो वहीं टाइप टू कार्टिलेज के लिए जरूरी होता है। वहीं टाइप 3 तरह का कोलेजन स्किन और ब्लड वेसल्स में पाया जाता है। जो कि गलत स्लीप पैटर्न, डाइट, स्ट्रेस की वजह से घटता है। जिसकी वजह से रिंकल्स दिखने लगते हैं। स्किन में हो रही कोलेजन की कमी के लिए सही डाइट सबसे सुरक्षित और आसान तरीका है। जिसकी मदद से यंग दिखा जा सकता है।

इन फूड्स को खाने से स्किन में बढ़ेगा कोलेजन

प्रोटीन रिच फूड्स- प्रोटीन रिच फूड्स चिकन, फिश, बींस, अंडे और डेयरी प्रोडक्ट को खाने से कोलेजन बनता है।

विटामिन सी रिच फूड्स- साथ में खट्टे फल जिसमे विटामिन सी की मात्रा होती है। जैसे लाल-पीली शिमला मिर्च, टमाटर, हरी पत्तियों वाली सब्जियां कोलेजन के प्रोडक्शन के लिए जरूरी होती हैं।

जिंक और कॉपर रिच फूड्स- विटामिन सी के साथ ही जिंक और कॉपर रिच फूड्स भी शरीर में कोलेजन की मात्रा को बढ़ाते हैं। मीट, शेलफिश, नट्स और साबुत अनाज में जिंक, कॉपर की मात्रा होती है।

इन चीजों को खाने से करें परहेज- इन हेल्दी फूड्स के अलावा प्रोसेस्ड फूड्स, रिफाइंड फूड्स, और ज्यादा मात्रा में शुगर खाने से कोलेजन का डैमेज और सूजन की समस्या शरीर में होने लगती है।

गोल्डन ब्लाउज रखें पास, हर साड़ी से होंगे मैच

साड़ी का लुक तभी परफेक्ट आता है जब साथ में सही मैचिंग और फिटिंग का ब्लाउज हो। ब्लाउज की डिजाइन पूरे लुक को अट्रैक्टिव बनाने का काम करती है। अक्सर महिलाएं हर साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज पहनना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आपके पास साड़ी का मैचिंग ब्लाउज नहीं हो तो परेशान होने की जरूरत नहीं। केवल एक स्टाइलिश गोल्डन ब्लाउज आपकी कई साड़ियों के साथ मैच कर सकता है। यहां तक कि एक्ट्रेसेज भी कई बार गोल्डन ब्लाउज के साथ साड़ियों को मैच करते दिखीं। तो अगर आप परफेक्ट लुक चाहती हैं को हीरोइनों जैसे गोल्डन ब्लाउज अपने पास जरूर रखें। ये ज्यादातर साड़ियों के साथ खूबसूरत लुक देंगे।

मिरर वर्क वाला स्कूप नेकलाइन ब्लाउज

किसी भी हल्की-फुल्की शिफॉन की साड़ी को स्टाइलिश लुक देना है तो साथ में मिरर वर्क वाले गोल्डन ब्लाउज को पास में रखें। ये आपकी साड़ी के साथ ना केवल परफेक्ट तरीके से मैच करेंगे बल्कि हीरोइनों जैसा स्टाइलिश लुक भी देंगे।

स्लीवलेस डल गोल्ड ब्लाउज

कियारा आडवाणी के जैसे डल गोल्ड कलर का स्लीवलेस ब्लाउज पास रखती हैं तो ये भी ज्यादातर उन साड़ियों के साथ मैच कर पाएगा। जिसमे गोल्डन टोन का वर्क नही है। ऐसे ब्लाउज आसानी से पीले, गुलाबी जैसे रंगों के साथ मैच कर जाएंगे।

हाफ स्लीव गोल्डन ब्लाउज

रकुल प्रीत की तरह जूल नेकलाइन का हाफ स्लीव ब्लाउज सिल्क से लेकर किसी भी हैवी वर्क वाली साड़ी के साथ मैच कर सकता है। अक्सर सिल्क साड़ियों में गोल्डन पैटर्न का जरी वर्क होता है। ऐसे में एक गोल्डन ब्लाउज आप कई साड़ियों पर आसानी से मैच करा पाएंगी।

सर्दियों में कुर्ता पहनकर भी दिखेंगी स्टाइलिश, इन टिप्स को फॉलो करें

कुर्ता सबसे ज्यादा कंफर्ट वियर में गिना जाता है। लेकिन सर्दियों में कुर्ते को स्टाइल करना सबसे मुश्किल लगता है। जिसकी वजह से लड़कियां इसे पहनना कम पसंद करती हैं। यहां तक कि डेली वियर में भी कुर्ते को इग्नोर कर देती हैं। कुर्ता पहनना पसंद है लेकिन इसे सही तरीके से स्टाइल नहीं कर पाती हैं तो इन टिप्स को फॉलो करें। फिर देखिए कैसे कुर्ते में भी आपका लुक बिल्कुल स्टाइलिश दिखेगा और आप भीड़ में सबसे अलग नजर आएंगी।

कुर्ते को हील वाले फुटवियर के साथ मैच करें

अगर आप सोच रही हैं कि बूट या हील्स वाले लोफर्स केवल जींस के साथ स्टाइलिश लगते हैं। तो इस बार अपने ढीले-ढाले वूलेन कुर्ते के साथ बूट को पेयर करें। या फिर साथ में हील वाले लोफर्स पहनें। ये आपके पैर को ठंड से भी बचाएंगे और आपका पूरा लुक स्टाइलिश भी दिखेगा।

ना पहनें शार्ट लेंथ जैकेट-स्वेटर

ठंड में कुर्ते के साथ शार्ट लेंथ स्वेटर या जैकेट को बिल्कुल ना पेयर करें। शार्ट लेंथ के स्वेटर या जैकेट कुर्ते के साथ परफेक्ट तरीके से मैच नहीं करते। इसलिए लुक कम अच्छा लगता है।

शॉल दिखेगी खूबसूरत

वूलेन कुर्ता पहन रही हैं तो साथ में हैवी शॉल को कैरी करें। ये एलिगेंट और ब्यूटीफुल लुक देगा।

ठंड से बचने के लिए आप चाहें तो इनरवियर वूलेन कैरी करें। साथ में शॉल लुक को कंप्लीट करती है। साथ ही ध्यान रखें कि हील्स वाले फुटवियर ही पेयर करें। तभी खूबसूरत लुक मिलेगा।

पहनें लांग स्वेटर या जैकेट

अगर आपको ठंड में कुर्ते के साथ लेयरिंग करनी है तो लांग नी लेंथ जैकेट या स्वेटर को पेयर करें। जिससे कुर्ता का लुक परफेक्ट दिखें। हालांकि अनारकली, एस्मेट्रिक डिजाइन के कुर्ते नहीं केवल स्ट्रेट फिट कुर्तों के साथ ही ये लांग स्वेटर या जैकेट सही दिखते हैं।

पीसीओएस के वजह से चेहरे पर निकल रहे हैं मुहांसे तो जानें कैसे करें कंट्रोल

पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम आजकल लड़कियों और महिलाओं में बहुत आम समस्या बन गई है. यह एक ऐसी समस्या है जो हार्मोन्स यानी शरीर के रसायनों के संतुलन बिगड़ने से होती है.पीसीओएस में महिलाओं के अंडाशयों में छोटे-छोटे फोड़े या गांठें बन जाती हैं, जिनमें पानी भरा होता है. ये गांठें अंडाशयों को बड़ा और भारी बना देती हैं. इन गांठों की वजह से अंडाशय सही तरीके से काम नहीं कर पाते. अंडाशयों का काम महिलाओं में हार्मोन बनाना और ब्लड में रिलीज करना होता है. लेकिन पीसीओएस में ये हार्मोन सही मात्रा में नहीं बनते. इसके कारण पीरियड्स रेगुलर नहीं आते हैं, शरीर पर अतिरिक्त बाल आने लगते हैं, मोटापे की समस्या हो सकती है. पीसीओएस की वजह से कई लड़कियों और महिलाओं को चेहरे, कंधे और पीठ पर मुंहासे निकलने लगते हैं. ये मुंहासे देखने में बहुत बुरे लगते हैं और आत्मविश्वास पर भी बुरा असर डाल सकते हैं.

ग्लूटेन फ्री

पीसीओएस की समस्या वाली महिलाओं को अपने आहार में कुछ बदलाव करने चाहिए, जिससे चेहरे के मुंहासे कम हो सकें. गेहूं से बनी चीजें जैसे - ब्रेड, नूडल्स आदि में ग्लूटेन नामक एक प्रोटीन होता है. इस ग्लूटेन के कारण कई लोगों को पेट संबंधी समस्याएं और मुंहासे ज्यादा होने लगते हैं. इसलिए ऐसे लोगों को ग्लूटेन फ्री डाइट यानि ग्लूटेन वाली चीजों से परहेज करना चाहिए.

हार्मोन को नियंत्रण करें

पीसीओएस की समस्या जैसे मुंहासों को कम करने के लिए, हमें अपने शरीर के कुछ हार्मोन जैसे - टेस्टोस्टेरोन और इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखना होगा. कुछ खास तरह के आहार और जड़ी-बूटियां जैसे - ओमेगा 3, अश्वगंधा, विटामिन डी आदि टेस्टोस्टेरोन को कम करने में मदद कर सकते हैं. इसके साथ ही, रोजाना रूप से व्यायाम और संतुलित आहार से इंसुलिन के स्तर को भी अच्छा बनाए रखा जा सकता है. यदि मधुमेह या उच्च रक्तशर्करा की शिकायत है तो उस पर भी नियंत्रण जरूरी है.

खूब सारा पानी पिएं

पीसीओएस के कारण होने वाले मुहांसों से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत ही फायदेमंद है. पीसीओएस में शरीर का पीएच स्तर बिगड़ जाता है जिससे त्वचा पर मुहांसे और दाने निकलने लगते हैं. पानी शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है साथ ही शरीर की गंदगी व विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

अंडरआर्म्स का कालापन कर रहा है शर्मिंदा, समस्या से छुटकारा दिलाएगा हल्दी का ये उपाय

अगर आप अंडरआर्म्स के कालेपन की वजह से अपनी मनचाही ड्रेस नहीं पहन पाते हैं या ऐसा करने पर लोगों के सामने शर्मिंदा होते हैं तो हल्दी का ये घरेलू नुस्खा आपकी समस्या को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। अंडरआर्म्स के काले पड़ने के पीछे कई कारण होते हैं। जिसमें अच्छी तरह साफ-सफाई ना करना, हाइपरपिग्मेंटेशन,बहुत तंग कपड़े पहनने के कारण घर्षण होना, बालों को साफ करने के लिए रेजर का प्रयोग करना, डेड स्किन का जमा होना मुख्य हैं।डार्क अंडरआर्म्स ना सिर्फ दिखने में बहुत खराब लगते हैं बल्कि कई बार शर्मिंदगी का कारण भी बन जाते हैं। ऐसे में आप अगर इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो हल्दी का ये नुस्खा आजमाकर देखिए। आइए जानते हैं कैसे उपयोग में ला सकते हैं हल्दी का ये नुस्खा।

अपनाएं हल्दी का ये असरदार नुस्खा- अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में आधा चम्मच हल्दी,आधा चम्मच बेकिंग सोडा, एक चम्मच शहद,1 चम्मच गुलाब जल या कच्चा दूध डालकर अच्छी तरह मिक्स करके उसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को डार्क अंडरआर्म्स पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। तय समय बाद अपने अंडरआर्म्स को सादे पानी से धो लें। इस उपाय को रोजाना नहाने से पहले एक बार करें। आप देखेंगे हल्दी के इस उपाय को करने से कुछ ही दिनों में अंडरआर्म्स का कालापन दूर होने लगेगा। हल्दी और बेकिंग सोडा, दोनों में ही ब्लीचिंग गुण मौजूद होते हैं। हल्दी त्वचा की रंगत में सुधार करके कालेपन को कम करती है। जबकि बेकिंग सोडा, त्वचा को एक्सफोलिएट करके डेड स्किन को साफ करने में मदद करता है। जिससे भी त्वचा का कालापन दूर होता है। इसमें एंटी-फंगल प्रोपर्टीज और त्वचा में जमा गंदगी और बैक्टीरिया को साफ करने की शक्ति होती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राजनीति को पहली बार मिला है कोई साधक : राजनाथ सिंह

नईदिल्ली। 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कड़ा अनुशासन बरत रहे हैं और जबसे उन्होंने विशेष अनुष्ठान शुरू किया है तबसे वह लगभग रोज ही किसी ना किसी प्रमुख मंदिर में जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की इस साधना से प्रसन्न होकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि मैं सोच भी नहीं सकता था कि राजनीति में कोई साधक भी हो सकता है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बताया है कि वह कितनी कठोरता से उन नियमों का पालन कर रहे हैं जो संतों ने उन्हें बताये हैं। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान की बात करें तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि आजादी के समय राम मंदिर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष का मुद्दा नहीं था और हर समुदाय ने किसी न किसी तरह से 'राम जन्मभूमि आंदोलन' का समर्थन किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई राम के बिना भारत की कल्पना नहीं कर सकता।

राम अवतार बनना चाहते है प्रधानमंत्री : अधीर रंजन

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण स्वीकार नहीं करने के पार्टी के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या वह देश में एकमात्र हिंदू हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को अस्वीकार करने के इंडिया ब्लॉक के विपक्षी दलों के फैसले ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक घमासान शुरू कर दिया है। चौधरी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक मकसद के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल करके उनका अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार करने पर हमें हिंदू विरोधी कहा जाएगा तो शंकराचार्यों को क्या कहा जाएगा। क्या पूरे देश में सिर्फ पीएम मोदी ही बचे हैं जो हिंदू हैं। मोदी की जेब में हिंदू पेटेंट नहीं हैं।

भाजपा ने ममता से 22 को छुट्टी घोषित करने किया आग्रह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा और उनसे 22 जनवरी को छुट्टी घोषित करने का आग्रह किया ताकि लोग अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन समारोह देख सकें। मजूमदार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र की एक प्रति साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने इसमें लिखा कि मैंने हमारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से अनुरोध किया है कि कृपया 22 जनवरी, 2024 को स्कूल की छुट्टी घोषित करने पर विचार करें, ताकि पश्चिम बंगाल के युवा राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में आनंद उठा सकें। मजूमदार ने अपने पत्र में कहा कि ममता ने पहले भी कई खास मौकों पर छुट्टियों की घोषणा की है। उन्होंने कहा, इसलिए हमारा मानना है कि राम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर राज्य के लोगों को भी उत्सव में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसलिए हम आपसे उस दिन को आधिकारिक तौर पर छुट्टी घोषित करने का अनुरोध करते हैं।

राहुल की सांसदी बहाली के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाली के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका खारिज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल याचिका में 7 अगस्त 2023 को लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए उस नोटिफिकेशन को खारिज करने की मांग की थी, जिसके जरिए राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल की गई थी। याचिका में मांग की गई थी कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाई। राहुल गांधी को अभी तक आरोपों से बरी नहीं किया गया है। ऐसे में उनकी संसद सदस्यता बहाल करने वाले नोटिफिकेशन को खारिज किया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि ऐसी याचिका दायर होने से ना सिर्फ अदालत बल्कि रजिस्ट्री विभाग का भी कीमती समय बर्बाद होता है। इसके बाद अदालत ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

महुआ मोइत्रा ने खाली किया सरकारी आवास

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा सदस्य के तौर पर मिले अपने सरकारी बंगले को शुक्रवार को खाली कर दिया। इससे पहले संपदा निदेशालय की एक टीम यह देखने के लिए भेजी गई थी कि मोइत्रा ने सरकारी आवास छोड़ा है या नहीं। मोइत्रा के वकील ने बताया कि टेलीग्राफ लेन पर महुआ मोइत्रा के बंगले 9बी को प्राधिकारियों के पहुंचने से पहले आज सुबह 10 बजे खाली कर दिया गया। बेदखल की कोई कार्रवाई नहीं हुई।'' फरासत ने कहा कि मकान का कब्जा संपदा निदेशालय के अधिकारियों को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि पिछले महीने लोकसभा की सदस्यता जाने के बाद मोइत्रा को दो बार सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस भेजा गया है। तीन दिन पहले उन्हें भेजे नोटिस में कहा गया था कि अगर मोइत्रा बंगला खाली नहीं करती हैं तो एक टीम भेजी जाएगी, जो सरकारी आवास का खाली कराया जाना सुनिश्चित करेगा।

मणिपुर में महीनों से सिविल वॉर जैसा माहौल : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी कोई परवाह नहीं

गुवाहाटी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर मणिपुर मुद्दे को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर करारा हमला बोला है। राहुल ने कहा है कि मणिपुर में महीनों से सिविल वॉर जैसा माहौल बना हुआ है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी कोई परवाह नहीं है। राहुल ने कड़ा प्रहार करते हुए कहा, मणिपुर में महीनों से सिविल वॉर जैसा माहौल बना हुआ है। लोग एक दूसरे को मार रहे हैं, लेकिन आज तक पीएम मोदी मणिपुर नहीं गए। नागालैंड में पीएम मोदी ने 9 साल पहले जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। वहीं असम में भी हिन्दुस्तान के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं।

राहुल ने आगे कहा, आज देश में आदिवासियों के खिलाफ अन्याय हो रहा है, आपकी जमीन छीनी जा रही है, आपका इतिहास मिटाया जा रहा है । आरएसएस-भाजपा की विचारधारा आपसे जल-जंगल-जमीन छीनने की कोशिश कर रही है। वहीं कांग्रेस ने पेसा कानून और ट्राइबल बिल से आपकी जमीन और आपका हक आपको देने का काम किया है।

इससे पहले भारत जोड़ो न्याय यात्रा के असम में प्रवेश करने के बाद राहुल ने सीधे राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा को निशाने पर लिया और कहा कि देश में शायद 'सबसे भ्रष्ट सरकार' और 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' इस राज्य में है। राहुल ने कहा कि आदिवासियों, चाय बागान के श्रमिकों और असम के अन्य मूल निवासियों के खिलाफ भाजपा नीत सरकार कई अन्याय कर रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का पूरा परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त है।

राहुल ने मणिपुर के बारे में भी बात की और कहा कि उस राज्य में गृह युद्ध जैसी स्थिति है, पिछले साल तीन मई से जातीय हिंसा जारी है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा यात्रा की शुरूआत मणिपुर से हुई थी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि नगालैंड में नौ साल पहले एक फ्रेमवर्क समझौते (नगा राजनीतिक मुद्दे के समाधान के लिए) पर हस्ताक्षर किया गया था और लोग अब पूछ रहे हैं कि इसका क्या हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं बोला है।

भाजपा आपको जंगलों तक सीमित रखना चाहती है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा आदिवासियों को जंगल तक सीमित रखना चाहती है और

आदिवासियों को शिक्षा और अन्य सुविधाओं से दूर रखना चाहती है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम में अपनी पहली जनसभा में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों को अधिकार दिए और मूल निवासी होने के नाते संसाधनों पर उन्हें पहला अधिकार दिया।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि हम आपको आदिवासी कहते हैं, इसका मतलब है कि मूल निवासी। भाजपा आपको वनवासी कहती है, मतलब जो लोग जंगलों में रहते हैं। कांग्रेस नेता ने राज्य की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा, आदिवासियों को वनों तक ही सीमित करना चाहती है और उनके बच्चों को स्कूल तथा विश्वविद्यालय जा कर शिक्षा ग्रहण करने, अंग्रेजी सीखने एवं कारोबार करने के अवसरों से वंचित करना चाहती है।

राहुल गांधी ने असम के द्वीपीय जिले माजुली में आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा हम चाहते हैं कि जो आपका है, वो आपको लौटाया जाए। आपका जल, भूमि, वन आपका ही रहना चाहिए। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा 6713 किलोमीटर की है, जो 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू हुई थी। यह 20 या 21 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी।

राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता शुक्रवार सुबह नौका से जोरहाट से माजुली पहुंचे। राहुल गांधी के साथ महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया सहित कई शीर्ष मौजूद रहे। माजुली में राहुल गांधी प्रमुख वैष्णव स्थल औनियाती सत्र भी जाएंगे।

राहुल पर पलटवार करते हुए बोले हिमंता- यह न्याय यात्रा नहीं मिया यात्रा है

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भारत में सबसे भ्रष्ट सीएम करार दिए जाने के बाद, भाजपा नेता ने गांधी परिवार को देश में सबसे भ्रष्ट कहकर जवाब दिया। सरमा ने अपने राज्य मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, मेरे अनुसार, गांधी परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांधी परिवार एक डुप्लिकेट नाम लेकर चल रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि वे न केवल भ्रष्ट हैं बल्कि नकलची भी हैं। उनके परिवार का नाम गांधी भी नहीं है, (लेकिन) वे अपने डुप्लिकेट नाम रखते हैं। अगर किसी के पास डुप्लीकेट लाइसेंस है तो मैं उसे पकड़ सकता हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि अगर किसी के पास डुप्लीकेट लाइसेंस है तो क्या होगा। इसीलिए घूम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार को बोफोर्स घोखाधड़ी और यूनियन कार्बाइड के सीईओ वॉरेन एम एंडरसन, जिन

पर भोपाल गैस त्रासदी का आरोप था, को देश से भागने में मदद करने सहित कई भ्रष्टाचार के मामलों में फंसाया गया था। उनकी टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा असम में भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन के साथ-साथ सरमा पर देश में सबसे भ्रष्ट होने का आरोप लगाने के बाद आई है। यात्रा के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह न्याय यात्रा नहीं है, यह मिया यात्रा है। जहां भी मुस्लिम होंगे, वहां भीड़ होगी। जहां भी मुस्लिम नहीं होंगे, वहां भीड़ नहीं होगी। मिया शुरू में असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए एक अपमानजनक विशेषण था, और गैर-बंगाली भाषी अक्सर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में संदर्भित करते थे। हाल के वर्षों में, सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने अवज्ञा व्यक्त करने के लिए इस वाक्यांश का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

इंडिया अलायंस में टूट की आहट! फारूक अब्दुल्ला बोले-

सीट शेयरिंग नहीं होती है तो कई दल बना सकते हैं अलग गठबंधन

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के कुछ सदस्यों के बारे में आशंका व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर सीट-बंटवारे की बातचीत समयबद्ध तरीके से नहीं हुई और उस पर आम सहमति नहीं बनी तो वे महागठबंधन से बाहर निकल जाएंगे और एक अलग समूह बना लेंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन को खतरा है और उन्होंने नेताओं से मतभेद भुलाने और देश के बारे में सोचने का आह्वान किया। उनकी टिप्पणी पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर चर्चा के दौरान आई।

इंडिया गठबंधन में सीट-बंटवारे की व्यवस्था पर स्पष्टता की कमी के बारे में पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा, अगर हमें देश को बचाना है, तो हमें मतभेदों को भुलना होगा और देश के बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी तो गठबंधन पर खतरा मंडरा रहा है। इसे समयबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। यह संभव है कि कुछ लोग एक साथ आकर एक अलग गठबंधन बना लें, जो मुझे सबसे बड़ा खतरा लगता है। अभी भी समय है। अब्दुल्ला का यह बयान ऐसे समय में आया है जब गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा काफी धीमी है।

इसके अलावा नीतीश कुमार को लेकर लगातार सवाल बना हुआ है। वहीं, बंगाल में ममता बनर्जी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। एनसी प्रमुख ने कहा कि पार्टियों को तभी सीट मांगनी चाहिए जब वे उस पर हावी हों और जहां वे प्रभावी नहीं हों वहां सीटें मांगना गलत होगा। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष अपना अहंकार छोड़कर हाथ मिलाने में सक्षम नहीं है, तो यह उसकी ओर से सबसे बड़ी गलती होगी। नेकां प्रमुख ने कहा कि गठबंधन के सदस्यों की हाल ही में दिल्ली के एक होटल में बैठक हुई जहां इस बात पर सहमति बनी कि ज्यादा समय नहीं बचा है। उन्होंने कहा, हमने चर्चा की कि एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो हमारे मतभेदों को किनारे करके सभी को एक साथ ला सके। अगर हमें देश को बचाना है तो हमें मतभेदों को भुलाकर देश के बारे में सोचना होगा।

महागठबंधन पूरी तरह से एकजुट : तेजस्वी

पटना। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल-यूनाइटेड के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ शुक्रवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार के साथ उनके आवास पर बैठक की। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है थी जब दोनों ही दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। इसके अलावा नीतीश कुमार को लेकर भी लगातार कई तरह की बातें मीडिया में चल रही है। दावा किया जा रहा था कि नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए में वापसी कर सकते हैं। इस बैठक के बाद लालू यादव ने मीडिया कर्मियों से बातचीत नहीं की। हालांकि तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए साफ तौर पर दोहराया कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक-ठाक है। बीजेपी ही तरह-तरह की भ्रम फैला रही है। लेकिन राजद और जदयू के बीच रिश्ते पूरी तरीके से ठीक है। तेजस्वी ने दावा किया कि बीजेपी का इस चुनाव में हारना बिल्कुल तय है। उन्होंने कहा कि हम जदयू के साथ हैं, जदयू हमारे साथ है। महागठबंधन पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा। हम सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में 10 विकेट से हराया

एडीलेड। जोश हेजलवुड ने एक टेस्ट पारी के पांच विकेट लेने का कारनामा 11वीं बार किया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट के तीसरे ही दिन लंच से पहले दस विकेट से हरा दिया। आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को 13वें ओवर में 120 रन पर आउट कर दिया जिससे उसे 26 रन का लक्ष्य मिला। स्टीव स्मिथ (11) और उस्मान ख्वाजा (नौ) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

ख्वाजा हालांकि उस समय बाउंसर लगने से रिटायर्ड हर्ट हो गए जब आस्ट्रेलिया को एक ही रन चाहिये था। मार्नस लाबुशेन ने दो गेंद बाद विजयी रन बनाये। हेजलवुड कल ही 18 रन देकर चार विकेट ले चुके थे जिसकी वजह से आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के छह विकेट 73 रन पर निकाल दिये थे। इससे पहले वेस्टइंडीज के 188 रन के जवाब में आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 283 रन बनाये थे।

तीसरे दिन मिचेल स्टार्क ने जोशुआ डा सिल्वा (18) और अलजारी जोसेफ (16) को आउट किया जबकि हेजलवुड ने गुडाकेश मोती (तीन) को पवेलियन भेजा। वेस्टइंडीज के नौ विकेट 94 रन पर गिर गए थे और उसे पारी की हार से बचने के लिये एक रन की जरूरत थी। ऐसे में शामार जोसेफ और केमार रोच ने आखिरी विकेट के लिये 26 रन जोड़कर टीम को इस शर्मिंदगी से बचाया। ऑस्ट्रेलिया आईसीसी द्वारा जारी ताजा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में 61.11 प्रतिशत अंक के साथ पहले पायदान पर है। भारत को दूसरे स्थान पर खिसका कर शीर्ष पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी तालिका में पैट कमिंस की टीम रोहित शर्मा की भारतीय टीम से 7.05 प्रतिशत अंक ऊपर है। भारत के 54.16 प्रतिशत अंक हैं। भारत ने हालांकि मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में केवल चार टेस्ट मैच खेले हैं जबकि आस्ट्रेलिया 9 टेस्ट खेल चुका है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 500 अंक चढ़ा निफ्टी 21,622 पर बंद

नईदिल्ली। शेयर बाजार में पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गयी और मार्केट मजबूत वापसी करते हुए बढ़त के साथ बंद हुई। एशियाई बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच फाइनेंशियल और आईटी शेयरों में सुधार के चलते देसी शेयर बाजार ने आज राहत की सांस ली। हालांकि, इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाली एचडीएफसी बैंक समेत बैंकिंग शेयरों में गिरावट ने बाजार की तेजी को सिमित कर दिया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 600 अंक उछलकर 71,786 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 71,896 के हाई लेवल तक गया। अंत में यह 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71,683.23 के लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी पॉजिटिव क्षेत्र में बंद हुआ। यह 0.75 प्रतिशत या 160.15 अंक की वृद्धि लेकर 21,622.40 के स्तर पर बंद हुआ।

हुंदै ने तलेगांव संयंत्र का अधिग्रहण किया पूरा

नईदिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया ने महाराष्ट्र के तलेगांव में जनरल मोटर्स इंडिया के विनिर्माण संयंत्र का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, तलेगांव सुविधा का अधिग्रहण कुछ शर्तों को पूरा करने और संबंधित सरकारी अधिकारियों तथा हितधारकों से विनियामक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद पूरा हो गया। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) यून सू किम ने कहा हुंदै मोटर के लिए भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है। हम भारतीय ग्राहकों को बेहतरीन उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किम ने कहा महाराष्ट्र के तलेगांव में हमारा विनिर्माण परिचालन वर्ष 2025 में शुरू होगा। राज्य सरकार के बीच हुए समझौते के तहत महाराष्ट्र में 6,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की भी घोषणा की।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का तीसरी तिमाही में मुनाफा 57% बढ़ा

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 57 प्रतिशत बढ़कर 718 करोड़ रुपये हो गया। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में मुनाफा 458 करोड़ रुपये था। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसकी समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,139 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,636 करोड़ रुपये थी। हालांकि बैंक की शुद्ध ब्याज आय घटकर 3,152 करोड़ रुपये रह गई, जो 2022 की इसी अवधि में 3,285 करोड़ रुपये थी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर कुल कर्ज का 4.50 प्रतिशत रह गई। यह 2022 की समान अवधि में एनपीए कुल कर्ज का 8.85 प्रतिशत था।

अल्ट्राटेक सीमेंट का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 67% बढ़ा

नईदिल्ली। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 67 प्रतिशत बढ़कर 1,774.78 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 1,062.58 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस अवधि में उसकी परिचालन आय 7.85 प्रतिशत बढ़कर 16,739.97 करोड़ रुपये हो गई। 2022 की इसी अवधि में यह 15,520.93 करोड़ रुपये थी। कंपनी के आय विवरण के अनुसार दिसंबर तिमाही में उसने ''सबसे अधिक एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया।'' समीक्षाधीन तिमाही में अल्ट्राटेक का कुल खर्च 2.88 प्रतिशत बढ़कर 14,531.04 करोड़ रुपये हो गया। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी की कुल आय 16,880.45 करोड़ रुपये हो गई।

रूस को अब भारत की जरूरत

डॉ पीएस वोहरा

दिसंबर के आखिरी हफ्ते में अपनी रूस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बड़ी स्पष्टता के साथ विश्व को ये बताने की कोशिश की कि आर्थिक प्रगति में भारत अब रूस से आगे निकल चुका है। नब्बे का दशक दोनों मुल्कों के लिए बड़ा महत्वपूर्ण था। तब भारत ने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी और सोवियत संघ का विघटन हुआ था। नब्बे के दशक में भारत का सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) 270 अरब डॉलर था और रूस की जीडीपी 518 अरब डॉलर थी। आज स्थिति बदल चुकी है। भारतीय अर्थव्यवस्था आज रूस से 60 प्रतिशत अधिक के स्तर पर है। वर्ष 2022 में भारत की जीडीपी लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर रही, जबकि रूस की जीडीपी 2.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर। यह अंतर आने वाले समय में लगातार बढ़ेगा।

भारतीय विदेश मंत्री ने इन आंकड़ों के माध्यम से यह बताने की कोशिश नहीं की कि रूस भारत से पीछे हो चुका है, अपितु यह जरूर प्रमुखता से रखा गया है कि भारत ने पिछले 30 वर्षों में बेहतरीन प्रगति का दौर देखा है और आने वाले समय में एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा।

रूस के आर्थिक विकास में पीछे रह जाने का मुख्य कारण उसकी अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। दोनों देशों के आर्थिक विकास की तुलना करें, तो तकरीबन 2008 तक रूस की आर्थिक प्रगति भारत से अधिक रही। साल 2009 की वैश्विक मंदी का रूस पर विपरीत प्रभाव पड़ा, जिसके चलते 2010 में गिरावट का दौर रहा, पर उसके बाद फिर आगामी दो-तीन वर्षों तक रूस ने अपनी विकास दर को तेजी से बनाये रखा। वर्ष 2014 दोनों देशों के लिए फिर से एक नया दौर लेकर आया। भारत में एक मजबूत

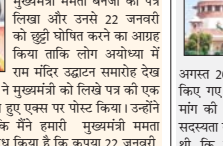

सरकार ने बड़ी तेजी से विभिन्न आर्थिक सुधार किये, वहीं रूस ने अपनी अंतरराष्ट्रीय कट्टरपंथी अतार्किकता के चलते अपनी अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचायी। 2014 में रूस ने यूक्रेन से क्रीमिया को अलग कर दिया था। उसके बाद रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगे। फिर कोरोना का दौर आया और पिछले दो वर्षों से यूक्रेन से युद्ध के चलते रूसी अर्थव्यवस्था और भारतीय अर्थव्यवस्था में अंतर लगातार बढ़ता चला गया।

इरिडेंटिज्म या अंतरराष्ट्रीय कट्टरपंथी अतार्किकता की शुरुआत 18वीं सदी के अंत में इटली से हुई थी। तब इटली यह सोचा करता था कि यूरोप के विभिन्न मुल्क एक समय में उसी का भाग थे, तो उन्हें फिर से शामिल होना चाहिए। पिछली सदी में जापान और जर्मनी के हिटलर की सोच भी कुछ इसी तरह की थी। ऐसे उदाहरण सोमालिया और इथोपिया तथा अर्जेंटीना के फॉकलैंड के साथ भी देखे गये हैं। इस विचारधारा ने इन सभी मुल्कों को आर्थिक रूप से बहुत संकट में खड़ा किया है। हमारा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान भी कुछ हद तक इसी से त्रस्त है क्योंकि पिछले 70 वर्षों से वह कश्मीर को धर्म तथा भाषा के आधार पर अपना भाग मानता है। आज वह आर्थिक गुजर-बसर के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक की सहायता पर निर्भर है। रूस ऐसी ही राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते मुश्किल में है। अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर राष्ट्रपति पुतिन से भी मिले तथा उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के साथ उनकी लंबी चर्चा हुई। यह तो विदित ही है कि भारत रूस का बहुत पुराना मित्र है। लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि वैश्वीकरण के दौर की शुरुआत के बाद से भारत का अमेरिका की तरफ झुकाव तथा रूस का चीन की तरफ लगाव पारस्परिक रूप से बहुत बढ़ता गया है, जिसके कारण दोनों की मित्रता में काफी समय से और गहराई की जरूरत लगातार बनी रही है। हालांकि पिछले दो वर्षों से भारत और रूस का वार्षिक मैत्री सम्मेलन लगातार स्थगित होता रहा है। इस दफा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे स्थगित किया। दिसंबर 2021 में राष्ट्रपति पुतिन वार्षिक मैत्री सम्मेलन के लिए ही भारत के दौरे पर आये थे। अभी अक्टूबर 2023 में जी-20 के वार्षिक सम्मेलन में पुतिन दिल्ली में उपस्थित नहीं रहे थे।

नदियाँ प्यासी रहीं रात भर और बादल बरसता रहा...

छ्ग की विष्णुदेव सरकार ने पहली बार 2 हजार करोड़ का कर्ज लिया है। एक-एक हजार का कर्ज 8और 9वर्ष के लिये 7.68%, 7.67% व्याज पर लिया है।यहां यह बताना भी जरुरी है भूपेश सरकार ने नई सरकार के लिये करीब 91 हजार करोड़ का कर्ज विरासत में छोड़ाहै 50 हजार करोड़ का कर्ज तो 2018से 2023 के बीच कांग्रेस सरकार ने ही लिया था। वित्त विभाग के सूत्रों की मानें तो छ्ग के वित्तीय हालात को संभालने कई फैसले लिये जा सकते हैं। कांग्रेस सरकार की चंद योजनाओं को बंद करना होगा, बिजली बिल हाफ की योजना बंद की गई तो एक हजार करोड़ रुपये सेज्यादा की बचत हर साल होगी। बघेल सरकार की फ्लैग शिप गोधन न्याय योजना के तहत गोबर,गोमूत्रखरीदी को बंद किया गया तो हर साल करीब 500 करोड़ रुपये बचेगा। शराब दुकान भी इस रिफार्म्स का अहम केंद्र हो सकती है। 50% शराब माफियाओं की बिकती है। इसी लीकेज को ठीक किया गयातो सालाना 5500 करोड़ रुपये की व्यवस्था सरकार कर लेगी। रेत, मुरूम जैसे गौण खनिज भी राजस्व बढ़ाने का बड़ा जरिया है। जानकार बताते हैं कि 90 फीसदी मुरुम खदान या रेत घाटों का टेंडर ही नहीं हुआ है।यानि ये सब बिना रॉयल्टी सिर्फ राजनीतिक संरक्षण में चल रहे हैं।सभी घाटों का टेंडर हुआ तो इसकी रॉयल्टी खजाने तक पहुंचने लगेगी और एक बड़ी रकम खजाने तक पहुंच जाएगी।इनके अलावा,डीएमएफ फंड का लीकेज भी अपने आप में रिफॉर्म्स का बड़ा स्त्रोत है। कोललेवी से परिवहन जैसे सेक्टर भी हैं,जहां जारी लीकेज को रोक लिया गया तो भी भारी राजस्व अर्जित किया जा सकता है। चूंकि मौजूदा वित्त मंत्री ओपी चौधरी पूर्व आईएएस हैं, उन्हें प्रशासनिक खामी, व्यवस्थाओं की गहरी समझ है।इस नाते अगर वो चाहें तो वित्तीय व्यवस्था ठीक भी कर सकते हैं।

वीरा मप्र की दूसरी सीएस तो रेणु छग की दूसरी महिला एसीएस....

अविभाजित मप्र में महिला आईएएस निर्मला बुच के नाम पहली मुख्य सचिव बनने का रिकार्ड बना था पर वीरा राणा भी अब मप्र की दूसरी सीएस बनने का रिकार्ड बना चुकी हैं। 11 अक्टूबर 1935 को जन्मी निर्मला 1960 बैच की आई एएस थीं और 31 अक्टूबर

93 को उन्होंने मप्र से बतौर मुख्य सचिव के रूपमें सेवा निवृत्ति ली। वीरा राणा का जन्म 26 मार्च 1964 को उप्र में हुआ था। श्रीमती वीरा राणा बीएमबीए हैँ। अविभाजित मप्र में रायपुर में एडीशनल कलेक्टर और उनके पति संजय राणा बतौर एसपी कार्य कर चुके हैं। 2000 में मप्र से अलग होकर छग राज्य का गठन हुआ था। छग कॉडर की डॉ. इंदिरा मिश्रा 69 बैच आईए एस के रूप में छग में कार्य भार सम्हाला था। 7 सितंबर 45 को जन्मी डॉ. इंदिरा मिश्र 30 सितंबर 2005 को छग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुई थी। महिला आईएएस के छग में एसीएस बनने का उनका रिकार्ड कायम था।ज्ञात रहे कि उनके पति सुयोग्य कुमार मिश्र छग के मुख्य सचिव भी बने थे। 31अक्टूबर 2004को रिटायर हुए थे।15 फरवरी 68 को जन्मी 91बैच की आईएएस रेणु पिल्ले को अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है, एसीएस बनकर उन्होंने छग की दूसरी महिला अफसर होने का रिकार्ड बनाया है।ज्ञात रहे कि अभी रेणु पिल्ले को फरवरी 2028 तक कार्य करना है। वैसे यह बताना जरूरी है कि रेणु पिल्ले के पिता आर के.गोनेला भी आँध्र काडर के 63 बैच के आईएएस थे यानि रेणु दूसरी पीढ़ी मेंआईएएस बनी है।वैसे देश की 90 आईएएस अफसरों में 31 में से एक हैं जो एडीशनल सेक्रेटरी एम्पेनल हुई हैँ। 94 में रेणु का विवाह आईपी एस संजय पिल्ले के साथ हुआ था।1988 बैच के आईपीएस संजय पिल्ले अभी छ्ग में डीजी जेल के पद पर संविदा पर कार्यरत हैं।हाल ही में रेणु-संजय का बेटा भी आईएएस बन गया है।वैसे एसीएस बने सुब्रत भी दूसरी पीढ़ी के आईए एस हैं।इनके पिता सहदेव साहू ओड़िसा कॉडर के 1964 बैच के आईएएस थे।ज्ञात रहे कि सुब्रत साहू 5 जुलाई 68 को जन्मे हैं। 1992 बैच के आईएएस हैं,जुलाई 28 में सेवानिवृत्त होंगे।

अमित- प्रशिक्षु आईपीएस से छग के खुफ़िया प्रमुख तक....

छत्तीसगढ़ सरकार ने 1998 बैच के सीनियर आईपीएस अमित कुमार को खुफ़िया चीफ बनाया है।12 सालों तक सीबीआई के अहम पदों पर अपनी सेवा देने के बाद दिसंबर23 में ही अमित की छत्तीसगढ़ वापसी हुई थी। वापसी के बाद से ही उन्हे खुफिया चीफ बनाये जाने की चर्चा थी। अंततः बुधवार की देर रात आदेश जारी कर दिया गया। गौरतलब है आईपीएस अमित को साल 2011 में डेपुटेशन पर सीबीआई में पोस्टिंग हुई थी, 4 साल को डेपुटेशन पर दिल्ली गये सीबीआई में करीब 12 सालों तक डीआईजी, संयुक्त निदेश 6 पॉलिसी 8 की अहम

जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।कुछ महीने पहले ही अमित को एंटी करप्शन विंग की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी।साल 2023 के विधानसभा चुनाव में सरकार के गठन के बाद ही अमित की सेंट्रल डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ वापसी हुई। जिसके बाद से ही साय सरकार में अमित कुमार को बड़ी जिम्मेदारी दिये जाने की अटकले तेज हो गयी थी। अमित, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, जांजगीर, बीजापुर जैसे जिले के पुलिस कप्तान भी रह चुके हैँ। वहीं प्रशिक्षु के रूप में कोतवाली रायपुर में भी सेवा दे चुके हैं। अमित ने आईआईटी दिल्ली से 93 -97में इंजीनियरिंग की डिग्री के बाद यूपीएससी की तैयारी कर सफलता हासिल की। आईपीएस बनने के बाद मप्र/छ्ग काडर अलॉट हुआ। पुलिस सेवा में आने के बाद भी 2013-14 में एंटी करप्शन विषय में अपनी मास्टर्स डिग्री की पढ़ाई भी पूरी की।

और अब बस....

- शिवरीनारायण,दूधधारी और जैतूसाव मठों के महंत रामसुंदर दास को अयोध्या राम मंदिर का निमंत्रण नहीं मिलने का कारण कॉग्रेसी होना ही तो नहीं..?
- आईपीएस की तबादला सूची क्या 26 जनवरी के बाद जारी होगी?

लोस अध्यक्ष बिड़ला आज करेंगे दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का शुभारंभ

रायपुर. छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को विधानसभा की कार्यप्रणाली और संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी देने के लिए 20 जनवरी से शुरू हो रहे दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला करेंगे। प्रबोधन कार्यक्रम के पहले दिन

अंतिम सत्र में भारत के उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ और दूसरे दिन के अंतिम सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह नवनिर्वाचित विधायकों को सम्बोधित करेंगे। प्रबोधन कार्यक्रम के पहले दिन 20 जनवरी को उद्घाटन सत्र प्रातः 11 बजे से शुरू होगा। उद्घाटन सत्र को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला सम्बोधित करेंगे। इसके बाद प्रथम सत्र दोपहर 1 बजे से शुरू होगा। इस सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना, ध्यानाकर्षण सूचना, लोक महत्व के विषय पर व्याख्यान देंगे। द्वितीय सत्र दोपहर 2.50 से शुरू होगा। इस सत्र में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया और तृतीय सत्र में भारत के उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आशीष वचन देंगे। तृतीय सत्र शाम 4.15 बजे से प्रारंभ होगा। प्रबोधन कार्यक्रम के दूसरे दिन 21 जनवरी को प्रथम सत्र प्रातः 11 बजे शुरू होगा।

ब्रिटेन में बने कानून की बजाए भारत अब अपने कानून से संचालित होगा

नए कानून में अपराधी को दण्ड देने के साथ-साथ पीड़ित को न्याय देने की भावना

रायपुर। देश अब दंड से न्याय की ओर जा रहा है। अंग्रेजो के जमाने से चले आ रहे कानून में केंद्र की मोदी सरकार ने सकारात्मक बदलाव किए हैं। आम जनता के साथ समाज के प्रबुद्ध वर्ग को इससे अवगत कराने आज सिविल लाइन सर्किट हाउस में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता और पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा जी की उपस्थिति में समाज के अधिवक्ता, समाजसेवी संगठन,व्यापारिक संगठन, संपादक, पत्रकार ,पुलिस व प्रशासनिक विभाग के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा है कि ब्रिटेन में पारित किए कानून से नहीं अब भारत में बने कानून से ही देश का संचालन होगा। उन्होंने आज यहां राजधानी रायपुर के सर्किट हाउस में गृह विभाग द्वारा "नवीन कानूनः दंड संहिता से न्याय संहिता की ओर" विषय पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा नए कानून में अपराधी को दण्ड देने के साथ-साथ पीड़ित को न्याय देने की भावना निहित है। महिलाओं एवं बच्चों को न्याय एवं सुरक्षा देना भी इस नये कानून की प्राथमिकता में शामिल है। यह नवीन कानून निश्चित रूप से दूरदर्शी सोच और कल्पना का परिणाम है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यशाला में कहा कि नये कानून से हमारा समाज और देश आगे बढ़ेगा, अब कोई भी तारीख पे तारीख नहीं दे पाएगा। समय-सीमा में सभी कानूनी प्रावधान के अंतर्गत कार्रवाई करनी होगी। नए कानून में महिला के विरूद्ध घटित अपराधों की प्रथम सूचना एवं विवेचना महिला अधिकारी द्वारा किए जाने का बाध्यकारी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अलगावादी क्रियाकलाप या सशस्त्र विद्रोह या विध्वंषक क्रियाकलाप के द्वारा भारत की एकता, अखण्डता या सम्प्रभुता के विरूद्ध कारित अपराधों पर आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नवीन कानून में मुख्यतः औपनिवेशिक कानूनों में बदलाव, महिला सुरक्षा एवं न्याय, आतंकवाद, संगठित अपराध एवं भारत की सम्प्रभुता, एकता एवं अखण्डता के विरूद्ध अपराध, पीड़ित केन्द्रित कानूनी प्रावधान, अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीक, डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के प्रावधान, न्यायालयीन प्रक्रिया से संबंधित प्रावधान शामिल किए गए हैं। उन्होंने धारा 370 का उल्लेख करते हुए कहा कि आजादी के 70 साल बाद हमारे पूर्वजों के संकल्प को पूरा किया गया है। उन्होंने नवीन कानून के संबंध में

व्यापक रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने, तकनीकी उन्नयन, संसाधन एवं वित्तीय प्रबंधन, अंतर्विभागीय समन्वय तथा नये कानूनों के प्रावधानों को लागू करने के संबंध में बात कही। उन्होंने बताया कि नये कानून में मॉबलिंचिंग द्वारा हत्या के अपराध पर अधिकतम मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया आज रायपुर आएंगे

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश चुनाव सह प्रभारी डॉ मनसुख मांडविया 20 जनवरी के छत्तीसगढ़ के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान डॉ. मांडविया दोपहर 12 बजे राजधानी के पुरानी बस्ती स्थित माँ महामाया मंदिर में दर्शन व पूजन-अर्चना के पश्चात मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया 20 जनवरी को सुबह 10 बजे गुजरात के अहमदाबाद से रवाना होकर 11.30 बजे रायपुर पहुँचेंगे। स्वामी विवेकानंद विमानतल से डॉ. मांडविया दोपहर 12 बजे महामाया मंदिर पहुँचेंगे। लगभग 30 मिनट यहाँ रुकने के बाद केंद्रीय मंत्री 12.30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय आएंगे। भाजपा कार्यालय में दोपहर 2 बजे तक विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के बाद डॉ. मांडविया दोपहर 2.30 बजे प्रदेश विधानसभा पहुँचेंगे। यहाँ नवनिर्वाचित विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम में शिरकत करने बाद डॉ. मांडविया 4.30 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे जहाँ से शाम 5 बजे राजकोट (गुजरात) के लिए प्रस्थान करेंगे।

खेलों में समर्पण, जोश और जुनून से मिलती है सफलता- वर्मा

रायपुर। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने बालोद में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशीप प्रतियोगिता के शुभारंभ करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने के लिए दृढ़ ईच्छा शक्ति एवं लक्ष्य प्राप्ति के प्रति समर्पण होना जरूरी है। इसके साथ-साथ जोश और जुनून भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में हमारे युवाओं के सामने उपलब्धि हासिल करने की असीम संभावनाएं है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल हो रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं बेहतर खेल के प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दी। बालोद के सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में आयोजित इस राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री मोहन मण्डावी ने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को खेल खेलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल सभी जाति, सम्प्रदाय, अलग-अलग बोली-भाषा के लोगों को जोड़ने का भी कार्य करती है।

राम मंदिर के 500 वर्षों के इतिहास की दी जाएगी संगीतमय प्रस्तुति

रायपुर। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में 20 जनवरी को शाम 6 बजे संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से 'गाथा राम मंदिर की' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल होंगे। आडियो-वीडियो के माध्यम से दी जाने वाली इस प्रस्तुति में राम मंदिर के 500 वर्षों के इतिहास से जुड़ी विभिन्न घटनाओं की कथात्मक प्रस्तुति दी जाएगी। पूरे देश और दुनियाभर में प्रभु श्री राम के आने की प्रतीक्षा हो रही है। हर किसी को 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार है, जब अयोध्या में भगवान श्री राम 500 से अधिक वर्षों के बाद मंदिर में पुनः विराजमान होंगे। राम महोत्सव को लेकर देश भर में विभिन्न तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। श्री राम मंदिर की विडियो-आडियो प्रस्तुति में गाथा में श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त कराने और अयोध्या में श्रीरामलला का भव्य मंदिर निर्माण तक की गाथा सुनाई जाएगी। यह प्रस्तुति एक लाइव म्यूजिकल बैंड के साथ होगी। श्रीराम जन्मभूमि की तपस्या एवं संघर्ष की सत्य गाथा के इस कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। श्रीराम मंदिर की महागाथा को सुर-संगीत में श्रद्धालु देख और सुन सकेंगे।

मुख्यमंत्री कल रायपुर और नागपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे

रायपुर. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 20 जनवरी को रायपुर और नागपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 20 जनवरी को प्रातः 9 बजे राज्य अतिथि गृह पहुना से प्रस्थान कर प्रातः 9.20 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे और प्रातः 9.30 बजे से उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के साथ आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से विशेष विमान द्वारा शाम 6 बजे प्रस्थान कर शाम 6.40 बजे डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नागपुर पहुंचेंगे और वहां से राष्ट्र संत तुकडो जी महाराज विद्यापीठ नागपुर जाएंगे। मुख्यमंत्री वहां शाम 7 बजे से आयोजित राष्ट्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम पश्चात मुख्यमंत्री रात्रि 8.50 बजे डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नागपुर से विमान द्वारा प्रस्थान कर रात्रि 9.30 बजे रायपुर लौट आएंगे।

भूमि अधिग्रहण और विधानसभा मार्ग के खराब होने के मामले में हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

रायपुर. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने इन रेफरेंस रोड ऑफ छत्तीसगढ़ के मामले में सेंदरी बाईपास के पास पिछले आदेश के अनुसार सब डिविजनल ऑफिसर बिलासपुर को भूमि अधिग्रहण के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया था. इसका पालन करने के लिए समय मांगे जाने पर जल्द से जल्द एफिडेविट प्रस्तुत करने का आदेश दिया. आज न्याय मित्र राजीव श्रीवास्तव, प्रतीक शर्मा ने न्यायालय के समक्ष मुंगेली से पंडरिया, पंडरिया से कवर्धा और कवर्धा से मुंगेली के बीच रास्ते के खराब होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की. साथ ही रायपुर एयरपोर्ट जाने के लिए नेशनल हाईवे से धनेली के पास से विधानसभा मार्ग के खराब होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की. इस पर हाईकोर्ट ने तत्काल स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया. इस मामले की सुनवाई युगल पीठ माननीय चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र अग्रवाल ने की. हाईकोर्ट ने मामले को 19 फरवरी को दोबारा न्यायालय के समक्ष लिस्ट करने का आदेश दिया.

छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य जहां कोल्ड चैन पॉइंट्स को मिला सर्टिफिकेट

छग के तीन अस्पतालों को वैक्सीन के सुरक्षित रख-रखाव के लिए मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

रायपुर। नवरी 2024/ छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के तीन अस्पतालों में वैक्सीन के सुरक्षित रख-रखाव के लिए बनाए गए कोल्ड चैन पॉइंट्स हेतु आईएसओ सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरहरपुर और केशकाल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनूर शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

कांकेर, कोंडागांव और नारायणपुर जिले के इन शासकीय अस्पतालों के कोल्ड चैन पॉइंट्स में अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ढ्स्ह) द्वारा वैक्सीन एवं लॉजिस्टिक के उचित, सुरक्षित एवं अनुशंसित तापमान में वैक्सीन के भंडारण आदि की समीक्षा के बाद आईएसओ सर्टिफिकेट जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यूएनडीपी के तकनीकी सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरहरपुर

और केशकाल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनूर में वैक्सीन के रख-रखाव, भण्डारण आदि की व्यवस्था की जा रही थी। आईएसओ टीम द्वारा इन अस्पतालों में वैक्सीन और उससे संबंधित लॉजिस्टिक का प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट ऑनलाइन के साथ-साथ रिकॉर्ड की भी की जांच की गई।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने यह भी बताया कि आईएसओ की टीम ने इन अस्पतालों में दिन में दो बार तापमान की रिकॉर्डिंग और वेब-आधारित डेटा लॉगर की निगरानी करके गुणवत्ता वाले टीके की प्रभावकारिता का भी परीक्षण किया। इसके अलावा प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन के साथ कोल्ड चैन पॉइन्ट में अग्नि सुरक्षा जैसे प्रबंधन के विभिन्न पैमानों की जांच के उपरांत सभी पैरामीटर सही पाए जाने पर इन अस्पतालों को आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा- गाँव-गाँव में हितग्राही ले रहे केंद्र शासन की योजनाओं की जानकारी

रायपुर। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा लगातार जारी है। आज अभनपुर के बेलर, भाठापारा, संकरी और उल्बा गाँव में, आरंग के चिखली, मोहमेला, कुरूद, करमंदी, परसदा, सेमरिया, चपरीद और भोथली गाँव में एवं तिल्दा के खपरीडीह खुर्द, जंजगीरा और कोदवा गाँव में शिविर लगाकर सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सामग्री वितरित कर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। जिले में अब तक 380 से ज्यादा ग्राम पंचायतों में संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम किया गया हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत राष्ट्र के

सशक्तिकरण के उद्देश्य से केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में शिविर आयोजित कर नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है जिससे की प्रमुख सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत हितग्राहियों तक पंहुचाया जा सकें-वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य के साथ जिले के सुदूर कोनों में आयोजित किये जा रहे शिविरों के माध्यम से न सिर्फ शासकीय विभागों के स्टाल्स लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है वरन उपस्थित जनसमूह द्वारा शपथ भी ली जाती है की वो विकसित भारत बनाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनायेंगे।

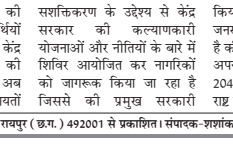

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.